राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 55
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 24 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 9 घंटे की पूछताछ के बाद बाहर निकली एसआईटी

पेज 4 कफ सिरफ के मास्टमाइंड पर बड़ा एक्शन

पेज 6 जसप्रीत बुमराह के अंतरष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे, स्टार तेज

संक्षिप्त खबरें

जैसलमेर घूमना होगा महंगा: पर्यटक वाहनों पर अब लगेगा यात्री कर, नगर परिषद ने लिया फैसला

जैसलमेर। जैसलमेर आने वाले पर्यटक वाहनों को अब यात्री कर देना होगा। जैसलमेर नगर परिषद ने यह निर्णय लिया है। अब जैसलमेर में जोधपुर और बाड़मेर रोड पर दो नए टोल नाके बनाए जाएंगे। इन दोनों स्थानों से सबसे अधिक पर्यटक वाहन जैसलमेर में प्रवेश करते हैं। राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग से इस निर्णय को स्वीकृति मिल चुकी है और गजट नोटिफिकेशन जारी होते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। जैसलमेर में नगर परिषद ने 22 साल बाद फिर से शहर में प्रवेश करने वाले पर्यटक वाहनों पर कर लगाने का फैसला किया है। वाहनों की श्रेणी के अनुसार 50 से 200 रुपये तक कर तय किया गया है।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए

नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था। थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई।

हैप्पी मॉर्निंग

राजू की कठोर तपस्या से प्रसन्न हुए भगवान ने कहा-
मांगो वत्स क्या वर चाहिए?
राजू- भगवान जी सिस्टम से चलिए,
पहले तपस्या भंग करने के लिए अप्सराएं
आती थीं उनका क्या हुआ?

शायरी

दिल में वतन, आँखों में सुकूँ का समंदर है,
हमारी धड़कनों में तिरंगे का मंजर है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,537.70
-769.66 (0.94%)
निफ्टी:
25,048.65
-241.25

मौसम

अधिकतम : 16 डिग्री से0
न्यूनतम : 06 डिग्री से0
सूर्योदय रविवार : 7 : 14
सूर्यास्त शनिवार : 5 : 55

बर्फबारी

हिमाचल प्रदेश के मनाली में बर्फबारी के बीच पर्यटक।

गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ दिल्ली में एफआईआर

एजेंसी

जालंधर। गणतंत्र दिवस से पहले देश की राजधानी दिल्ली में अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कड़ा एक्शन लिया है।

प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के सरगना पन्नू पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पन्नू ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर दिल्ली के रोहिणी और डाबरी में खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाने का झूठा दावा किया था, जिसे पुलिस जांच में पूरी तरह फर्जी पाया गया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पन्नू के भड़काऊ दावों और धमकियों को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की धारा 196, 197, 152 और 61 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में जैश कमांडर ढेर

अमेरिका मेड एस 4 राइफल बरामद; घर में नागरिकों को बंधक बनाकर छिपा था

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में शुक्रवार शाम सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान को मार गिराया। एनकाउंटर बिलावर इलाके में हुआ। आतंकियों की तलाश में पिछले एक हफ्ते से ऑपरेशन चल रहा था।

उस्मान पिछले 2 साल से अन्य आतंकवादियों के साथ डोडा-उधमपुर-कौथा इलाके में एक्टिव था। एनकाउंटर की साइट से अमेरिका में बनी स्व राइफल, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ।

कठुआ की एसएसपी मोहिता शर्मा ने बताया शुक्रवार 1 बजे पोरहेटर गांव में आतंकी ने एक घर में घुसकर नागरिकों को बंधक बना लिया था। पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके की घेराबंदी की।

पुलिस की एक टीम ने पहले सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद जवान घर के अंदर घुसे। आतंकी ने पहले फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने उस्मान का हथियार छीनकर उसे मार गिराया।

सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों और उस्मान का इससे पहले कठुआ, डोडा, बसंतगढ़, उधमपुर में भी आमना-सामना हुआ, लेकिन वो हर बार बच कर निकल जाता था। इस बार सुरक्षाबलों ने उसे ढेर कर दिया।

2025 में 46 आतंकी मारे गए

साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल के मुताबिक, साल 2025 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी हिंसा में कुल 46 मौतें हुईं। इसमें शहीद हुए 18 जवान और पहलगाम में मारे गए 28 नागरिक शामिल हैं। वहीं, इस दौरान सुरक्षाबलों ने 46 आतंकियों को भी मार गिराया।

पिछले हफ्ते सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने बिलावर इलाके में ही आतंकियों के 3 ठिकानों का भंडाफोड़ किया था।

मौके से कई चीजें बरामद की गईं थीं। आज से पहले 7 जनवरी और 13 जनवरी को भी बिलावर इलाके के ही कहोग और नजोत जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने बाइक टैक्सी से बैन हटाया

कहा- सरकार परमिट जारी करे, पीली नंबर प्लेट वाली बाइक भी कमर्शियल व्हीकल

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अब बाइक टैक्सी चल सकेंगी। शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को परमिट जारी करने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस विभु बखरू और जस्टिस सी एम जोशी की बेंच ने सुनवाई की।

बेंच ने कहा- ओला, उबर समेत एप बेस्ड एग्रीगेटर कंपनियों की अर्जी स्वीकारी गई है।

मौजूदा कानूनों के तहत जरूरी परमिशन पर बाइक को ट्रांसपोर्ट व्हीकल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

बेंच ने कहा है कि बाइक टैक्सी चलाने वाले वाहन मालिकों या एग्रीगेटर कंपनियों को जरूरी लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा।

अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने बेंगलुरु में बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि जब तक राज्य सरकार मोटर व्हीकल्स एक्ट के तहत नियम नहीं बनाती, तब तक इनपर बैन रहेगा।

राहुल बोले- अमेरिकी टैरिफ से कपड़ा कारोबार को नुकसान

- 4.5 करोड़ नौकरियां दांव पर, मोदी जवाबदार; यह हमारी 'डेड इकॉनमी' की सच्चाई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को हरियाणा की एक कपड़ा फैक्ट्री का वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया। राहुल ने हाल ही में फैक्ट्री का दौरा किया था। राहुल मजदूरों और अफसरों से बातचीत करते हैं। कपड़ा काटने में खुद भी हाथ आजमाते नजर आते हैं। राहुल ने पोस्ट में लिखा- अमेरिकी टैरिफ से देश के

कपड़ा एक्सपोर्टर्स को भारी नुकसान हुआ है। 4.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां और लाखों कारोबार दांव पर हैं, लेकिन मोदी ने न तो कोई राहत दी है और न ही अमेरिकी टैरिफ पर कुछ कहा। मोदी जी, आप जवाबदेह हैं। कृपया इस मुद्दे पर ध्यान दें। राहुल ने लिखा कि अमेरिका में 50 प्रतिशत टैरिफ और अनिश्चितता भारत कपड़ा एक्सपोर्टर्स को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रही है। नौकरियां जा रही हैं, फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं और ऑर्डर कम हो रहे हैं। यह हमारी 'डेड इकॉनोमी' की सच्चाई है।

भारत का कपड़ा उद्योग हमारी इकॉनोमी में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर है। हमारे कपड़े दुनियाभर में पसंद किए जाते हैं और हमारे कपड़ा कारीगरों की कारीगरी वाकई बेजोड़ है। लेकिन आज यह उद्योग अमेरिकी टैरिफ के कारण डर का सामना कर रहा है।

उज्जैन के तराना में फिर पथराव, पुलिस ने खदेड़ा

- बस फूंकी-दुकान जलाई, मंदिर पर हमला किया, अब तक 15 गिरफ्तार

उज्जैन/तराना। उज्जैन के तराना में शुक्रवार रात करीब 9 बजे फिर से पथराव हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और हलका बल प्रयोग करते हुए उपद्रवियों को इमली बाड़ा से खदेड़ दिया।

उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और एक बस को फूंक दिया गया। आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया।

पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों का जुलूस निकालने और उनके घर तोड़ने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया।

क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई गई।

नई बाखल इलाके में पुलिस के सामने ही उपद्रवी दुकानों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं।

फिलहाल, इलाके में तनाव है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं जबलपुर में उज्जैन के तराना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- हमारी सरकार सुशासन के लिए जानी जाती है। जहां व्यवस्थाओं में ढिलाई होती है। हम कठोरता से पेश आते हैं। मध्य प्रदेश शांति का टापू है।

अब तक यह हुआ नुकसान

1 बस को आग लगाई
13 बसों में तोड़फोड़
10 कारों को नुकसान
6 से अधिक घर क्षतिग्रस्त

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- विमान में पहले से खराबी थी

अमेरिकी रिपोर्ट में इलेक्ट्रिकल फेलियर की आशंका; 270 लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून 2025 को क्रैश हुए एअर इंडिया के बोइंग 787 विमान में पहले से कई गंभीर तकनीकी दिक्कतें थीं। चार साल पहले प्लेन में आग भी लगी थी।

अमेरिका स्थित फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी ने दावा किया है कि विमान में इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होने से एक के बाद एक कई सिस्टम बंद हुए। हो सकता है कि यही हादसे की वजह बना हो।

विमान टेकऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद अहमदाबाद के रिहायशी इलाके में गिर गया था। इस हादसे में 270 लोगों की मौत हुई थी। सिर्फ एक शख्स जिंदा बचा था।

प्लेन में 2014 से ही खराबी आ रही थी

एफएएस के मुताबिक, यह बोइंग 787 विमान 2014 से उड़ानों में इस्तेमाल हो रहा था। व्हिसलब्लोअर के दस्तावेजों के आधार पर संगठन का दावा है कि विमान में शुरुआत से ही बार-बार तकनीकी और सिस्टम से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में एक बार उड़ान के दौरान विमान में आग भी लगी थी। संभव है कि इससे विमान के अंदरूनी सिस्टम को नुकसान पहुंचा हो। एफएएस का कहना है कि ऐसी घटनाओं की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

दुनिया के 100 बड़े शहरों में आधे में जल संकट

दिल्ली चौथे नंबर पर, चेन्नई डे जीरो के करीब; मुंबई और बेंगलुरु भी प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली/चेन्नई। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया अब 'जल महासंकट' के दौर में है। दुनिया के 100 सबसे बड़े शहरों में आधे शहरों को पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें दिल्ली, बीजिंग, न्यूयॉर्क और रियो जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 39 शहरों में स्थिति बेहद गंभीर है।

रिपोर्ट में दिल्ली 4वें स्थान पर है। कोलकाता 9वें, मुंबई 12वें, बेंगलुरु 24वें और चेन्नई 29वें स्थान पर हैं।

इसके अलावा हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत और पुणे भी लंबे समय से पानी की कमी झेल रहे हैं।

काबुल में पानी पूरी तरह खत्म होने का खतरा है। मैक्सिको सिटी हर साल करीब 20 इंच की दर से धंस रही है क्योंकि भूमिगत जल अधिक उपयोग किया जा रहा है।

अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में कोलोराडो नदी के पानी को लेकर विवाद चल रहा है।

4 अरब लोग पानी की कमी से जूझ रहे

रिपोर्ट के मुताबिक, नदियां और झीलें सिकुड़ रही हैं, भूमिगत जल स्तर गिर रहा है और वाटरलैंड सूख रही हैं। जमीन धंस रही है, सिंकहोल बन रहे हैं और रेगिस्तान फैल रहे हैं। हर साल करीब 4 अरब लोग कम से कम एक महीने तक पानी की कमी का सामना करते हैं।

दिल्ली में कैफे के अंदर युवक की गोली मारकर हत्या

एक सिर में, दो सीने में लगीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में शुक्रवार रात एक कैफे के अंदर हुई फायरिंग में 24 साल के युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान फैजान उर्फ फज्जी (24) के रूप में हुई है, जो वेलकम इलाके का रहने वाला था।

पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना रात 11: 28 बजे वेलकम थाना पुलिस को मिली। पुलिस ने बीएनएस की धारा 103(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई हैं। मृतक के भाई सलमान ने आरोप लगाया कि फैजान को तीन गोलियां मारी गईं। उनके अनुसार, एक गोली सिर में लगी और आर-पार निकल गई, जबकि दो गोलियां सीने में लगी थीं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि फैजान के हाथों पर कट के निशान थे, जिससे लगता है कि उसने हमलावरों का विरोध किया।

परिवार का कहना है कि फैजान ने कुछ समय पहले कर्ज लिया था। रकम न चुका पाने को लेकर एक पिता और बेटे से विवाद चल रहा था। इस मामले में भजनपुरा थाने में पहले भी शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मॉक ड्रिल

गोरखपुर में मिसाइल गिरी, कानपुर में धमाका

मॉक ड्रिल : यूपी के 75 जिलों में ब्लैकआउट, युद्ध का सायरन बजा

उत्तर प्रदेश। यूपी में प्रयागराज को छोड़कर सभी 74 जिलों में शुक्रवार शाम 6 बजे से ब्लैकआउट शुरू हो गया है। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजते ही हर जगह अंधेरा छा गया। गोरखपुर में जहां मिसाइल गिरी, वहीं कानपुर में धमाके की आवाज सुनकर लोग जमीन पर लेट गए। वाराणसी में बिल्डिंग में फंसी महिला को रस्सी के सहारे बचाया गया। आगरा में हमले में घायल महिला को बचावकर्मी एम्बुलेंस से अस्पताल लेकर भागे।

ऑपरेशन सिंदूर के समय भी ऐसा ही मॉक ड्रिल देखने को मिला था। वहीं, सीएम योगी लखनऊ पुलिस लाइन से मॉक ड्रिल पर नजर बनाए

हुए हैं। उन्होंने इसमें हिस्सा लेने वाली सभी टीमों की तारीफ की। सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर यूपी में ब्लैकआउट का आयोजन किया गया है। प्रयागराज में माघ मेले की वजह से आज मॉक ड्रिल नहीं कराया गया।

मॉक ड्रिल युद्ध के समय हवाई हमलों जैसे हालात में दुश्मन से लोकेशन छिपाने और सुरक्षा की तैयारियों को परखने के लिए किया जा रहा है। सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस मॉक ड्रिल में शामिल हैं। प्रशासन ने सभी जिलों में इसके लिए स्थान पहले ही चिन्हित किए थे।

ब्लैकआउट का मकसद क्या

ब्लैकआउट का मुख्य उद्देश्य युद्ध या हवाई हमले की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। शाम के समय लाइटें बंद रखने से दुश्मन को किसी भी क्षेत्र की सटीक लोकेशन का पता नहीं चल पाता। इस मॉक ड्रिल के जरिए एनसीसी, स्काउट गाइड और सुरक्षा एजेंसियां अपनी तैयारियों की भी जांच करेंगी।

प्रशासन का कहना है कि इस अभ्यास के जरिए लोगों को यह समझाना है कि भविष्य में अगर कभी ऐसी आपात स्थिति बनती है, तो घबराने के बजाय किस तरह अनुशासन में रहकर अपनी और देश की सुरक्षा में सहयोग करना है।

मॉक ड्रिल क्यों जरूरी?

मॉक ड्रिल का सबसे बड़ा मकसद युद्ध, हवाई हमला, आतंकी हमला या प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति में प्रशासन और आम जनता घबराए नहीं। पहले से अभ्यास होगा तो असली हालात में सही और तेज फैसला लिया जा सकेगा। पुलिस, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग और होमगार्ड- ये सभी अलग-अलग काम करते हैं।

संपादकीय

आवारा कुत्ते, सुप्रीम कोर्ट और इंसान की संवेदना

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत में आवारा कुत्तों की समस्या एक जटिल सामाजिक और स्वास्थ्य चुनौती है। शहरों की गलियों से लेकर गांवों तक, लाखों कुत्ते बिना किसी देखभाल के घूमते हैं। एक ओर ये जानवर मानव समाज का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर इनसे जुड़े हमले और रेबीज जैसी घातक बीमारियां मानव जीवन को खतरे में डालती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में रेबीज से होने वाली मौतों का 36त्न भारत में होता है, और इसमें आवारा कुत्तों का बड़ा योगदान है। हाल के वर्षों में बच्चों और बुजुर्गों पर कुत्तों के हमलों की खबरें बढ़ी हैं, जैसे दिल्ली में एक 6 साल की बच्ची की रेबीज से मौत। ये घटनाएं न केवल दुखद हैं, बल्कि समाज में संवेदना और जिम्मेदारी के सवाल उठाती हैं। क्या हम इंसान के रूप में इन जानवरों के प्रति दया रख सकते हैं, या सुरक्षा की खातिर कठोर कदम जरूरी हैं? सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं, जो इन दोनों पहलुओं को संतुलित करने की कोशिश करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में इस समस्या पर सक्रियता दिखाई। 11 अगस्त 2025 को, जस्टिस जेबी परदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखने का आदेश दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि इन कुत्तों को सड़कों पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, भले ही वे नसबंदी और टीकाकरण से गुजर चुके हों। यह फैसला एक समाचार रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें कुत्तों के हमलों से बच्चों की मौत का जिक्र था। कोर्ट ने कहा कि एबीसी रूल्स 2023 (एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स) को भूल जाओ, क्योंकि स्टरलाइजेशन के बाद कुत्तों को वापस छोड़ना बेतुका है। लेकिन यह आदेश विवादास्पद साबित हुआ। पशु कल्याण संगठनों ने इसे कठोर बताते हुए कहा कि इससे कुत्तों पर अत्याचार बढ़ेगा और कानून का उल्लंघन होगा।

फिर 22 अगस्त 2025 को, तीन जजों की बेंच (जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया) ने पहले आदेश को संशोधित किया। उन्होंने इसे बहुत कठोर बताते हुए एबीसी रूल्स के अनुसार कुत्तों को स्टरलाइज, डीवर्म और वैक्सीनेट करने के बाद उसी इलाके में छोड़ने की अनुमति दी, सिवाय रेबीज संक्रमित या आक्रामक कुत्तों के। कोर्ट ने कहा कि आक्रामक कुत्तों को शेल्टर में रखा जाए, लेकिन सामान्य कुत्तों को सड़क पर लौटाया जा सकता है। यह फैसला पशु अधिकारों और मानव सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में था। नवंबर 2025 में, कोर्ट ने पूरे देश में संस्थागत क्षेत्रों जैसे स्कूल, अस्पताल, स्टेडियम, बस स्टेशन और रेलवे स्टेशनों से कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया। इन जगहों पर कुत्तों की मौजूदगी को खतरा बताते हुए, कोर्ट ने फेंसिंग और नोडल ऑफिसर नियुक्त करने के आदेश दिए। जनवरी 2026 में, कोर्ट ने कुत्तों के काटने से मौत पर राज्य सरकारों से भारी मुआवजा वसूलने की बात कही और फीडर्स की जिम्मेदारी तय की। जस्टिस नाथ ने कहा, यह 75 सालों की विफलता है, और अधिकारियों की लापरवाही पर सवाल उठाया।

ये फैसले दिखाते हैं कि सुप्रीम कोर्ट मानव जीवन की रक्षा को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन पशु कल्याण को नजरअंदाज नहीं कर रहा। एबीसी रूल्स 2023 के तहत कुत्तों को मारना गैरकानूनी है, इसलिए समाधान नसबंदी और टीकाकरण में है। लेकिन समस्या कार्यान्वयन में है। कई राज्य इन नियमों का पालन नहीं कर रहे, जिससे कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। पशु संगठन जैसे ह्यूमेन फाउंडेशन फॉर पीपल एंड एनिमल्स का कहना है कि मारना संख्या नहीं घटाता, बल्कि सही क्रियान्वयन जरूरी है। वहीं, आम लोग कुत्तों के हमलों से डरते हैं और कठोर कार्रवाई चाहते हैं।

यहां इंसान की संवेदना की भूमिका महत्वपूर्ण है। कुत्ते भी जीव हैं, जो भूख, बीमारी और अकेलेपन से जूझते हैं। कई लोग उन्हें खाना खिलाते हैं, लेकिन इससे पैक व्यवहार बढ़ता है और हमले होते हैं। संवेदना का मतलब क्रूरता नहीं, बल्कि जिम्मेदार व्यवहार है। हमें कुत्तों को अपनाना चाहिए, शेल्टर बनाना चाहिए और सामुदायिक स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाना चाहिए। गांधीजी ने कहा था, एक राष्ट्र की महानता उसके जानवरों के प्रति व्यवहार से मापी जाती है। लेकिन सुरक्षा भी जरूरी है। बच्चे और बुजुर्ग सुरक्षित रहें, तो संवेदना सार्थक होगी।

अंत में, आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान कानून, क्रियान्वयन और संवेदना के मेल से ही संभव है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले दिशा दिखाते हैं, लेकिन समाज को आगे आना होगा। अगर हम इंसानियत दिखाएं, तो कुत्ते दुश्मन नहीं, साथी बन सकते हैं। अन्यथा, यह संघर्ष जारी रहेगा।

संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं।

दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है।

यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है। दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने -सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है।

विश्व शिक्षा दिवस: 24 जनवरी 2026

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

-ललित गर्ग-

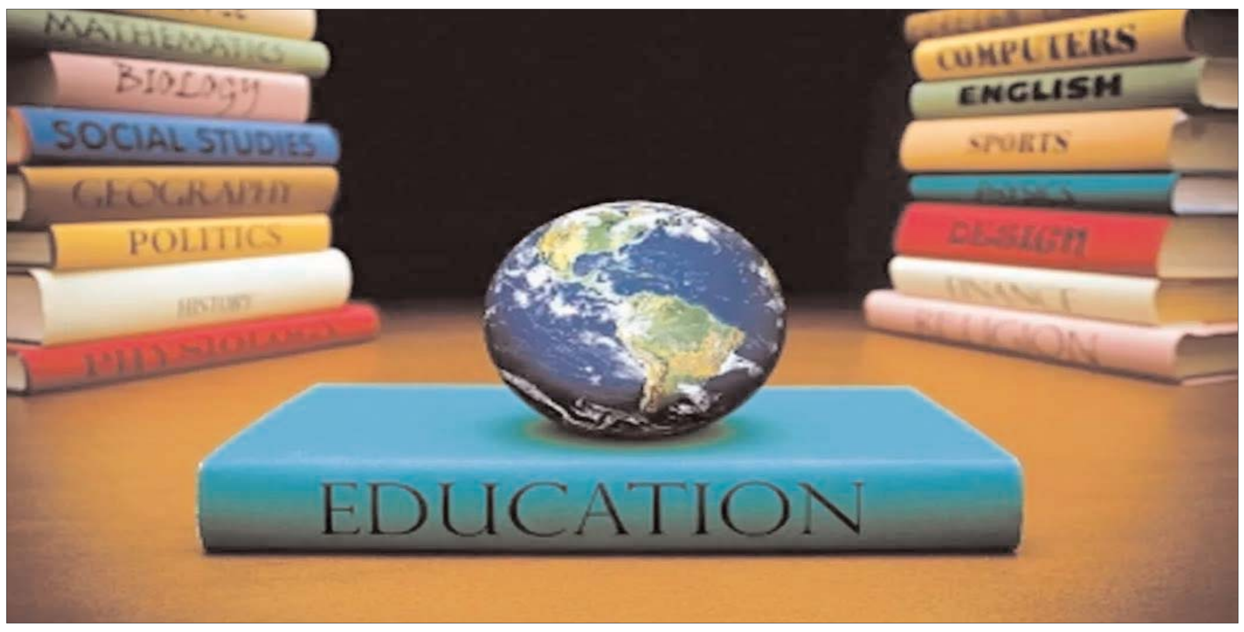

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निर्माताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-सा विद्या या विमुक्तये, अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी।

औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए क्लर्क तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज़ हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आज़ादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से 卐गुरु卐 की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में।

तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है। भारतीय शिक्षा पद्धति में वह सामर्थ्य है कि वह दुनिया को एक नया दर्शन और नया शिक्षा-सूत्र दे सके, जहां शिक्षा उपभोग नहीं, साधना हो; जहां ज्ञान सत्ता नहीं, सेवा बने; जहां प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व भी हो। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना आज वैश्विक शिक्षा का सबसे प्रासंगिक मंत्र बन सकती है।

इक्कीसवीं सदी का मानव और मानव समाज केवल तकनीकी दक्षता या आर्थिक प्रगति से पूर्ण नहीं हो सकता। उसकी संरचना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक शिक्षा परिपक्व, समग्र और मूल्यनिष्ठ न हो। आज दुनिया को ऐसे अभिनव मानव की आवश्यकता है जो आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो और वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम भी। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें ज्ञान केवल सूचना न बने, बल्कि विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व का विस्तार करे। मूल्यप्रवाहित शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है और योग शिक्षा उसे आत्म-संयम, संतुलन तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इन दोनों का समन्वय ही ऐसी शिक्षा को जन्म दे सकता है, जो व्यक्ति को आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि विश्वकल्याण की दिशा में उन्मुख करे। भारत के अनेक आध्यात्मिक संत महापुरुषों ने शिक्षा को समग्रता देने के लिये इस विषय पर गंभीर चिन्तन-मंथन किया।

महान् दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने जीवन विज्ञान के रूप में एक समग्र चिन्तन एवं योजना शिक्षा को परिपूर्णता देने के लिये प्रस्तुत की है। उनके अनुसार मानवता का भविष्य श्रम, अर्थ और संयम-इन तीनों के सामंजस्यपूर्ण विकास पर निर्भर है। श्रम और अर्थ जीवन के मौलिक एवं व्यावहारिक पक्ष हैं, जो समाज की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करते हैं; वहीं संयम जीवन का आध्यात्मिक पक्ष है, जो भोग की अंधी दौड़ को रोककर संतुलन और शांति की स्थापना करता है। यदि शिक्षा अथवा प्रशिक्षण इन तीनों आधारों पर निर्मित नहीं होता, तो जीवन की समग्रता केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। अतः शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन नहीं, बल्कि ऐसे मनुष्य का निर्माण होना चाहिए जो श्रमशील हो, अर्थसचेत हो और संयमशील भी-यही समग्र शिक्षा, समग्र मानव और समग्र समाज की आधारशिला है। जरूरत है यदि भारत अपनी प्राचीन गुरुकुल परंपरा की आत्मा को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित कर सके, नई शिक्षा नीति को जमीनी सच्चाई में बदल सके और शिक्षा को जीवन, समाज और प्रकृति से जोड़ सके, तो वह निश्चय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में सक्षम होगा। यह केवल भारत की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता है। विश्व शिक्षा दिवस पर भारत का आह्वान यही हो सकता है कि शिक्षा मनुष्य को मशीन नहीं, मानव बनाए; उसे केवल कुशल नहीं, संवेदनशील बनाए; और उसे केवल वर्तमान के लिए नहीं, भविष्य के लिए तैयार करे।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3780

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 3779 का हल

हंसी के फूव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैंने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाउंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3780

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3779

सूडोकु -3780

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3779 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3780

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -3779 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	य	ता	र	

गौतमबुद्धनगर
शनिवार 24 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

9 घंटे की पूछताछ के बाद बाहर निकली एसआईटी

100 लोगों के बयान दर्ज, नोएडा में इंजीनियर युवराज की मौत का मामला

नोएडा। युवराज मौत मामले में नोएडा प्राधिकरण में आज एक बार फिर एसआईटी की टीम आएगी। यहां डीएम, पुलिस और प्राधिकरण तीनों अपना जवाब एसआईटी को देंगे। जवाब पर एनालिसिस यही पर हो सकता है। इसके बाद कल टीम शासन को अपनी रिपोर्ट सब्मिट कर सकती है। अटकलें ये भी हैं कि एसआईटी थोड़ा और समय भी ले सकती है।

इससे पहले गुरुवार देर शाम तक स्ढ्ढञ्ज की टीम ने प्राधिकरण, पुलिस और प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ उनके दिए फैक्ट पर सवाल जवाब किए। एक बार फिर मामले से संबंधित लोगों को बोर्ड रूम में बुलाया गया। करीब डेढ़ घंटे बाद एसआईटी की टीम वहां से चली गई।

जिसमें प्राधिकरण अपना फाइनल जवाब और डीएम ने डिजास्टर मैनेजमेंट पर अपना जवाब दिया।

एसआईटी की टीम में एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर, मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी और पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर है। तीनों ही अधिकारी जवाबों पर एनालिसिस कर अपनी फाइनल रिपोर्ट तैयार करेंगे। ये रिपोर्ट बंद लिफाफे में शासन को भेजी जाएगी। घटना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर एक्शन लिया जाएगा।

माना जा रहा है नोएडा प्राधिकरण के जीएम (सिविल, एनटीसी और जल/सीवर) के अलावा सीनियर मैनेजर पर एक्शन हो सकता है। वहीं डिजास्टर मैनेजमेंट की रिपोर्ट पर भी कर्मचारियों और अधिकारियों पर एक्शन तय है। क्योंकि सवाल जवाब के दौरान एसआईटी संतुष्ट नहीं दिखी।

साढ़े सात घंटे में 100 से अधिक लोगों के बयान दर्ज

युवराज मेहता की कार डूबने से हुई मौत अब केवल एक हादसा नहीं रह गई है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही, रेस्क्यू सिस्टम की विफलता और अधिकारियों की गैर-जिम्मेदारी का मामला बनकर सामने आ रही है।

जांच कर रही विशेष जांच टीम ने एसडीआरएफ, पुलिस, कंट्रोल रूम और रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल 100 से अधिक लोगों के फाइनल बयान दर्ज किए हैं।

भट्ठा मालिक ने 4 पर कराया धोखाधड़ी-चोरी का केस

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली में एक ईंट भट्ठा मालिक ने चार लोगों पर धोखाधड़ी और चोरी का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा निवासी प्रमोद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दनकौर कोतवाली क्षेत्र के चचूला गांव में उनका ईंट भट्ठा है। उन्होंने करीब तीन महीने पहले अपने कर्मचारी संतराम (बदायूं निवासी) को किसी काम के लिए लगभग 4 लाख रुपये दिए थे। प्रमोद का आरोप है कि संतराम ने न तो काम किया और न ही रुपये वापस किए। वह लगातार रुपये लौटाने का झांसा देता रहा। इसके बावजूद, संतराम ने अपने भतीजे को किसी काम के लिए पीड़ित से करीब 1.10 लाख रुपये और दिलवा दिए। पीड़ित के अनुसार, करीब डेढ़ महीने पहले संतराम ने ईंट भट्ठे पर स्थित उनके कार्यालय की अलमारी का ताला तोड़कर लगभग डेढ़ लाख रुपये चुरा लिए। इसके बाद आरोपी वहां से गायब हो गया और अब प्रमोद का उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

ग्रेटर नोएडा के शारदा यूनिवर्सिटी में मॉक ड्रिल

हवाई हमले की चेतावनी पर सायरन बजते ही मची भगदड़

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में मंगलवार शाम हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। शाम छह बजे जैसे ही सायरन बजा, पूरा विश्वविद्यालय परिसर अचानक अफरा-तफरी के माहौल में बदल गया। लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ते नजर आए। इस दौरान कुछ लोग बेहोश होने और कुछ घायल होने का अभिनय करते हुए मदद के लिए पुकारते दिखाई दिए। यह दृश्य किसी वास्तविक घटना का नहीं, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन और नागरिकों की तैयारियों को परखने के लिए आयोजित मॉक ड्रिल का हिस्सा था। काल्पनिक हवाई हमले की चेतावनी के रूप में दो मिनट तक सायरन बजाया गया। इसके बाद पूरे परिसर की बिजली आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट किया गया। निर्देशानुसार नागरिकों ने जमीन पर लेटकर और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेकर बचाव का अभ्यास किया।

नोएडा के 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस ने बम और डॉग स्कवॉयड टीम के साथ ली तलाशी, सूचना फेक निकली

नोएडा। नोएडा के 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही फौरन पुलिस और पैरेंट्स को सूचना दी गई। पैरेंट्स के पहुंचते ही बच्चों को उनके साथ घर भेज दिया गया। पुलिस डॉग स्कवायड और बम निरोधक दस्ते के साथ स्कूल पहुंची।

स्कूल में छुट्टी कर परिसर को खाली करा लिया गया। उसके बाद तलाशी शुरू की गई। एक घंटे से अधिक देर तक चली तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच में सूचना फेक निकली है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उसमें फादर एंगल स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल, शिव नादर पब्लिक स्कूल, श्री राम मिलेनियम स्कूल और रामाज्ञा स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर स्कूलों के बाहर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए गए हैं। पूछताछ के बाद ही एंट्री दी जा रही है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया- सुबह में शिव नादर समेत 20 स्कूलों से फोन आया था। जिसमें बताया गया कि सुबह में 8 से लेकर 8: 30 बजे के करीब प्रिंसिपल को धमकी भरा मेल मिला है। सूचना मिलते ही अलग-अलग थानों के पुलिस मौके पर पहुंची।

उनके साथ बम स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड की टीम भी थी। सभी स्कूल को खाली कराकर करीब एक घंटे तक कैंपस के अंदर चप्पे - चप्पे की तलाशी ली गई। स्टाफ से पूछताछ की गई।

लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। साइबर टीम ई-मेल की जांच कर रही है। अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

नोएडा में बारात पर हमला, 20 राउंड फायरिंग

40 दबंगों ने लाठी-डंडों और फरसों से दौड़ा-दौड़ाकर मारा; आईसीयू में 10 लोग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में 40 से ज्यादा दबंगों ने बारात पर हमला कर दिया है। उन्होंने लाठी-डंडों और फरसों से बारातियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। 20 राउंड फायरिंग भी की। घटना में 10 बाराती गंभीर घायल हैं।

सभी घायलों का को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ढ्ढष्ट में उनका इलाज चल रहा है। सभी घायल एक ही परिवार के हैं। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। घटना दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव की है।

अब पढ़िए पूरा मामला

दनकौर थाना क्षेत्र के जगनपुर गांव के जितेंद्र के यहां से रामपुर फतेहपुर गांव में बारात गई थी। बारात में देशराज सिंह अपने पूरे परिवार के साथ गए थे। बारात गांव में पहुंच गई थी, लोग बारातियों का स्वागत कर रहे थे।

इस दौरान कई गाड़ियों में सवार होकर हमलावर आए, जिनके हाथ में लाठी-डंडा और फरसा था। उन्होंने

हमला करना शुरू कर दिया। जैसे ही हमला हुआ चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल हो गया और भगदड़ मच गई।

बदमाश देशराज (80) उनके बेटे देवेंद्र ,वीरेंद्र, राजेंद्र और भतीजे श्रीनिवास और परिवार के अन्य लोगों को गिराकर पीटने लगे। उनकी गाड़ियों में भी जमकर तोड़फोड़ की।

पुरानी रंजिश की बात सामने आ रही

हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद घायलों को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत गंभीर है। सभी आईसीयू में भर्ती हैं।

इस बवाल की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस फोर्स रामपुर गांव पहुंच गई। पुलिस ने इस मामले में दो टीमों का गठन कर दिया है और हमलावरों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि इन लोगों के बीच पहले ही किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दूसरा पक्ष भी जगनपुर गांव का ही रहने वाला है, कुछ दिन पहले भी इन लोगों के बीच झगड़ा हुआ था।

20 से 25 राउंड फायरिंग की गई

दीपक नागर ने बताया- हमारे गांव से बारात गई थी। बारात में हमारे पिता, बाबा, ताऊ, चाचा सहित पूरा परिवार गया था। बारात में मिलाई के दौरान गाड़ियों से 40 लोग आए और हमला कर दिया। उन लोगों के पास लाठी-डंडे, फरसे और राइफल थी।

20 से 25 राउंड फायरिंग की गई है। इस हमले में हमारे परिवार के 10 लोग घायल है। सभी की हालत गंभीर है। आईसीयू में इलाज चल रहा है। हमला किस वजह से किया गया ये तो पता नहीं है। हमले करने वाले से मौके से भाग गए है।

तीन महीने पहले हुआ था झगड़ा एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया- दोनों पक्ष जगनपुर गांव के रहने वाले हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर बारात में झगड़ा हुआ। मारपीट में कई लोग घायल हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी। तीन महीने पहले भी झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद से इनके बीच रंजिश चली आ रही है।

ग्रेटर नोएडा में 90 निर्मित फ्लैटों को बेचने की तैयारी

28 जनवरी को प्राधिकरण ई-नीलामी से आवंटन करेगा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 28 जनवरी को सेक्टर ओमिक्रॉन-1ए में निर्मित 90 बहुमंजिला 2 बीएचके फ्लैटों की योजना लॉन्च करेगा। इन फ्लैटों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा।

ये फ्लैट सेक्टर ओमिक्रॉन-1ए में स्थित बहुमंजिला इमारत में हैं। प्रत्येक फ्लैट का कारपेट एरिया 83.38 वर्ग मीटर और सुपर एरिया 104.70 वर्ग मीटर है। ये फ्लैट 01 से लेकर 15वीं मंजिल तक उपलब्ध हैं।

फ्लैटों का रिजर्व प्राइस 73.23 लाख रुपये से लेकर 74.35 लाख रुपये तक निर्धारित किया गया है। सर्वाधिक बोली लगाने वाले आवेदकों

को फ्लैट आवंटित किए जाएंगे।

प्राधिकरण ने पूर्व में भी इस सेक्टर में फ्लैटों का निर्माण किया था, जिनमें से कुछ का आवंटन हो चुका है। लगभग 350 फ्लैट अभी भी रिक्त हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने संपत्ति विभाग को इन रिक्त फ्लैटों का आवंटन करने के निर्देश दिए हैं।

इस योजना के तहत पंजीकरण की अंतिम तिथि 18 फरवरी है, जबकि प्रोसेसिंग फीस जमा करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी निर्धारित की गई है। डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 23 फरवरी है। योजना का ब्रोशर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in पर उपलब्ध होगा। आवेदन https://gnida.etender.sbi के माध्यम से किया जा सकेगा।

ये सभी फ्लैट निर्मित अवस्था में हैं। आवंटन के बाद तय समय-सीमा में लीज डीड की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फ्लैट की धनराशि जमा करने के लिए एकमुश्त और किस्तों में भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

एकमुश्त भुगतान करने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। किस्तों में भुगतान का विकल्प चुनने वाले आवेदकों को दो साल में चार किस्तों में भुगतान करना होगा।

ग्रेटर नोएडा में पति समेत पांच ससुरालियों पर केस दर्ज

एक साल पहले हुई थी शादी, दहेज उत्पीड़न का आरोप

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबपुरा कोतवाली क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और मारपीट का मामला सामने आया है। मोहम्मदाबाद खेड़ा गांव निवासी लकेश ने अपनी बेटी के ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को केस दर्ज किया है।

लकेश ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रीना की शादी करीब एक वर्ष पूर्व बुलंदशहर जनपद के ऊंचा गांव निवासी आलोक तोमर से की थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर असंतुष्ट था। पीड़ित पिता का आरोप है कि शादी में मिले दही को लेकर ससुरालियों ने नाराजगी जताई। इसी बात को लेकर उनकी बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। समय के साथ उत्पीड़न बढ़ता गया और रीना को आए दिन मारपीट का सामना करना पड़ा। लकेश के अनुसार, कुछ दिन पहले आरोपियों ने उनकी बेटी के साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे मायके छोड़कर फरार हो गए। बेटी की हालत देख परिजनों ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

नोएडा में महिला प्रोफेसर से ठगे 78.60 लाख

नोएडा। साइबर अपराधियों ने एक सेवानिवृत्त महिला प्रोफेसर को शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 78.60 लाख रुपए ठग लिए। जालसाजों ने पीड़िता को निवेश करने पर मोटा मुनाफा दिलाने का प्रलोभन दिया। पीड़िता की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-56 में रहने वाली नीरू मेहता ने पुलिस को बताया कि वह सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। 16 नवंबर 2025 को उनके वॉट्सऐप पर रिया कपूर नामक महिला के मोबाइल से एक मैसेज आया। मैसेज में शेयर बाजार में निवेश करने पर मोटा मुनाफा दिलाने का प्रलोभन दिया गया था। मैसेज के साथ एक लिंक भी आया था। उस पर क्लिक करने पर वह एक वाट्स ग्रुप से जुड़ गईं। ग्रुप में 104 सदस्य जुड़े हुए थे। वॉट्सऐप ग्रुप पर लोग निवेश करने और लाभ की जानकारी साझा कर रहे थे। उस ग्रुप को 22 जुलाई 2025 को बनाया गया था। उस ग्रुप के एडमिन सहायक प्रोफेसर गगन जोशी था। उसने चैटिंग के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने के बारे में जानकारी दी। 27 नवंबर को जालसाजों ने उन्हें बताया कि निवेश करने के बाद होने वाले लाभ पर उन्हें सिर्फ 15 प्रतिशत सेवा शुक्ल देना होगा।

10 दिसंबर को दिसंबर को रिया कपूर ने उनके मोबाइल फोन में एक ऐप डाउनलोड कराकर खाता खोलने की जानकारी दी। इसके बाद से उन्होंने जालसाजों द्वारा दिए गए बैंक खाते से ट्रांजैक्शन करना शुरू कर दिया। सबसे पहले उन्होंने 70 हजार रुपए 10 दिसंबर को ट्रांसफर किए।

नोएडा इंजीनियर मौत केस, फरीदाबाद से बिल्डर गिरफ्तार

कंपनी का दूसरा डायरेक्टर भी पकड़ा; गड्ढे में डूबने से गई थी जान

फरीदाबाद। फरीदाबाद के बिल्डर और रियल एस्टेट कंपनी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर रवि बंसल को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रवि बंसल के साथ कंपनी के दूसरे डायरेक्टर सचिन करनवाल को भी गिरफ्तार किया है।

दोनों की गिरफ्तारी नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में की गई है। पुलिस ने इस मामले में रियल एस्टेट बिल्डरों के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है, साथ ही नोएडा में स्थित बिल्डरों के दो दफ्तरों को सील कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 16 जनवरी की रात ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 में 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की एक निर्माणाधीन साइट पर पानी से भरे गड्ढे में डूबने से

मौत हो गई थी। वह अपनी कार से बाहर निकलकर पानी में फंसी गाड़ी की छत पर चढ़ गया था और करीब 90 मिनट तक मोबाइल की टॉर्च जलाकर मदद के लिए संकेत देता रहा, लेकिन समय पर सहायता नहीं मिल सकी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि निर्माणाधीन प्लॉट में लंबे समय से पानी भरा हुआ था और वहां सुरक्षा मानकों की पूरी तरह अनदेखी की गई थी। पुलिस का कहना है कि यदि साइट पर जरूरी सुरक्षा इंतजाम और चेतावनी संकेत लगे होते, तो यह हादसा टाला जा सकता था।

नोएडा में दफ्तर सील किए

नालेज पार्क थाने में 18 जनवरी को पहली एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले में नोएडा पुलिस पहले भी कार्रवाई कर चुकी है और मुख्य आरोपी बिल्डर अभय कुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस लगातार इस मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए जिम्मेदारों तक पहुंचने की कोशिश कह रही है। इसी क्रम में अब दो और आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। फरार आरोपी निर्मल सिंह के दफ्तर को भी पुलिस ने सील किया है। निर्मल सिंह का दफ्तर नोएडा के सेक्टर-126 में प्लॉट नंबर 18 के छठी मंजिल पर है। इस पर गुरुवार को पुलिस ने सील लगा दी और कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया।

रेजिडेंसी अपार्टमेंट में रहता है रवि बंसल

सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की मौत के मामले में अरेस्ट किए गए बिल्डर रवि बंसल मंगलम रेजिडेंसी अपार्टमेंट फरीदाबाद में रहते है। जबकि सचिन करनवाल शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-2 गाजियाबाद के रहने वाले हैं।

इसी बीच नॉलेज पार्क थाने में पुलिस की ओर से पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के आरोप में इसी मामले को लेकर दूसरी एफआईआर अभय कुमार, संजय कुमार, मनीष कुमार, अंचल बोहरा और निर्मल कुमार पर दर्ज की।

शार्ट न्यूज

दनकौर में आवारा सांड का आतंक

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार शाम एक आवारा सांड ने बाइक सवार व्यक्ति को अचानक टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। कस्बे की सड़कों और प्रमुख चौराहों पर खुलेआम घूम रहे आवारा पशुओं के कारण पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दनकौर के दीनदयाल चौराहा, बीएल चौक, घनौरी रोड, द्रोणाचार्य मंदिर परिसर और झाझर रोड सहित कई प्रमुख स्थानों पर आवारा पशु दिनभर सड़कों पर डटे रहते हैं। ये पशु अचानक राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों पर हमला कर देते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी लोगों के लिए खतरे से खाली नहीं रह गया है।

6.56 करोड़ के तीन कम्युनिटी सेंटर शुरू

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ईटा वन, जीटा वन और डेल्टा थ्री के निवासियों को बड़ी सुविधा मिली है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा निर्मित तीन कम्युनिटी सेंटरों का बृहस्पतिवार को उद्घाटन किया गया। दादरी विधायक तेजपाल नागर और भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने इनका शुभारंभ किया। इन सेंटरों के निर्माण पर लगभग 6.56 करोड़ रुपये की लागत आई है। विधायक तेजपाल नागर ने प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेक्टरवासियों को कम्युनिटी सेंटर की बहुत आवश्यकता थी, जिससे अब उन्हें शादी-समारोह जैसे आयोजनों के लिए परेशानी नहीं होगी। विधायक ने यह भी कहा कि सेक्टरवासियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, और प्राधिकरण इसके लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने भी प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रेटर नोएडा में नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकरण सतत प्रयासरत है। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के वर्क सर्किल पांच के वरिष्ठ प्रबंधक रतिक ने बताया कि तीनों कम्युनिटी सेंटरों में कॉमन हॉल, लाइब्रेरी, ऑफिस, महिला-पुरुष शौचालय और पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

कार डिवाइडर से टकराई, बैंक कर्मी की मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 71 में गुरुवार को एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में दिल्ली के एक बैंक में कार्यरत महिला कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक महिला की पहचान बरेली निवासी गुलफिशा के रूप में हुई है। वह दिल्ली के एक बैंक में कार्यरत थीं। घायलों में नई दिल्ली निवासी मुर्तजा अब्बास और मथुरा निवासी अनुष्का चौधरी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों बैंक कर्मचारी हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों दिल्ली से नोएडा की ओर आ रहे थे, तभी सेक्टर 71 के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। सूचना मिलने पर फेज तीन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान गुलफिशा ने दम तोड़ दिया। मुर्तजा अब्बास और अनुष्का चौधरी का इलाज जारी है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

अखलाक मॉब लिंचिंग में स्थानांतरण याचिका खारिज

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में अखलाक मॉब लिंचिंग मामले में गौतमबुद्ध नगर के जिला न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अदालत ने आरोपियों की ओर से दायर स्थानांतरण याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले के बाद अब मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी-1) में ही जारी रहेगी। जिला न्यायाधीश के आदेश के बाद, यह मामला एफटीसी-1 के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सौरभ द्विवेदी की अदालत में सुना जाएगा। गुरुवार को अदालत में गवाही की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जानी है। आरोपियों के वकील ने 8 जनवरी को एफटीसी से किसी अन्य अदालत में मामला स्थानांतरित करने के लिए याचिका दायर की थी। यह याचिका तब दाखिल की गई थी, जब अखलाक की पत्नी इकरामन 23 दिसंबर 2015 के फैसले के बाद दैनिक आधार पर सुनवाई शुरू होने पर अपना बयान दर्ज कराने फास्ट ट्रैक कोर्ट पहुंची थीं। अब तक इस मामले में केवल अखलाक की बेटी शाइस्ता के बयान दर्ज किए गए हैं, जबकि पत्नी इकरामन और बेटे दानिश के बयान अभी दर्ज होने बाकी हैं।

युवक से मारपीट, कार के शीशे तोड़े

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट और उसकी कार के शीशे तोड़ने का मामला सामने आया है। बुलंदशहर के ककोड़ कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर निवासी मनोज कुमार ने गुरुवार को रबूपुरा पुलिस को इस संबंध में तहरीर दी है। मनोज कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरुवार सुबह वह अपने एक मित्र के साथ कार से झाझर से अपने गांव शेरपुर लौट रहे थे। रास्ते में चचूरा गांव के भट्टा के पास उन्होंने लघुशंका के लिए वाहन रोका। इसी दौरान गांव चचूरा के दो युवक वहां पहुंचे और बिना किसी उकसावे के गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित द्वारा इसका विरोध करने पर दोनों युवक आक्रोशित हो गए और उन्होंने डंडों से मनोज कुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने कार के शीशे भी तोड़ दिए, जिससे वाहन को काफी नुकसान पहुंचा। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मनोज कुमार ने रबूपुरा थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नोएडा में दो लैपटॉप चोर गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 पुलिस ने घरों और अस्पतालों से लैपटॉप चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने उनके कब्जे से 17 चोरी के लैपटॉप, दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और एक आधार कार्ड की छायाप्रति बरामद की है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों को गुरुवार को अट्टा अंडरपास के पास से लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से पकड़ा गया। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान कमल सिंह उर्फ देव (32 वर्ष) और दुष्यंत चौपड़ा उर्फ बोनी (35 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में सेक्टर-45, नोएडा में रह रहे थे और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। जांच में सामने आया कि ये अभियुक्त विशेष रूप से घरों और अस्पतालों को निशाना बनाते थे, जहां से वे लैपटॉप चोरी कर फरार हो जाते थे। बरामद 17 लैपटॉप में से एक एचपी कंपनी का लैपटॉप थाना सेक्टर-20 में दर्ज मुकदमा संख्या 379/2025 (धारा 303(2) बीएनएस) से संबंधित पाया गया है।

रजवाहे से मिला महिला का शव

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के मुतैना गांव के पास एक रजवाहे के पानी में गुरुवार को एक अज्ञात महिला का शव मिला। राहगीरों की सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस को ग्रामीणों के माध्यम से जानकारी मिली कि मुतैना गांव के पास पानी के रजवाहे में अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद पानी के अंदर से महिला के शव को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक, महिला की गर्दन के नीचे चोट के निशान पाए गए हैं। शव को देखकर प्रतीत हो रहा है कि उसे बुधवार की देर रात पानी में फेंका गया है। महिला के कपड़ों के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि वह किसी सिक्योरिटी एजेंसी में काम करती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शव को देखकर लग रहा है कि उसकी हत्या कर शव को पानी में फेंका गया है।

कफ सिरफ के मास्टमाइंड पर बड़ा एक्शन

वाराणसी में शुभम जायसवाल के पिता की 28 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क; घर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सीज

वाराणसी। कफ सिरप मामले में सोनभद्र पुलिस ने वाराणसी में बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार सुबह कफ सिरप के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के आरोपी पिता भोला जायसवाल की संपत्ति पर कुर्की की कार्रवाई की। सोनभद्र पुलिस की विशेष टीम ने कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की। सोनभद्र सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने बताया- कफ सिरप प्रकरण में जो विवेचना सोनभद्र की राबर्ट्सगंज पुलिस से हो रही है। कोर्ट के आदेश पर आज भोला जायसवाल की प्रॉपर्टी सीज हो रही है। जो लगभग 28 करोड़ 50 लाख की है। सिगरा और चेतगंज में भी प्रॉपर्टी सीज होगी।

4 पॉइंट में समझिए कल पूरा घटनाक्रम

➔ शुक्रवार सुबह 10 बजे सोनभद्र की विशेष टीम सिगरा थाने पहुंची। टीम में एक सीओ सिटी, 4 इंस्पेक्टर, एक महिला एसआई, 10 हेड कॉन्स्टेबल और 10 कॉन्स्टेबल शामिल है। यहां थाने से टीम के साथ एसडीएम पिंडरा सुनीता गुप्ता भी साथ निकली।

➔ 11 बजे टीम कफ सिरफ के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के आरोपी पिता भोला जायसवाल के महमूरगंज कॉम्प्लेक्स पहुंची। यहां 23 करोड़ के कॉम्प्लेक्स पर सील करने की कार्रवाई की गई।

➔ टीम करीब 12 बजे भोला जायसवाल के बादशाहबाग स्थित घर पहुंची। यहां घर पर पहले से ही ताला लटक रहा था। घर में कोई नहीं था। पुलिस ने इस घर को भी सीज करने की कार्रवाई की। इस घर की कीमत करीब 2 करोड़ बताई जा रही है।

➔ टीम 1 बजे के करीब भोला जायसवाल के जगतगंज के कामर्शियल कॉम्प्लेक्स पहुंची। यहां भी करीब साढ़े 3 करोड़ की प्रॉपर्टी को सीज करने की कार्रवाई की गई।

लखनऊ नगर निगम ने 22 करोड़ की जमीन कराई खाली

लखनऊ। लखनऊ में नगर निगम की टीम ने अभियान चलाकर 22 करोड़ रुपए की कीमत वाली जमीन से अवैध कब्जा हटाया है। जमीन पर बिल्डरों की तरफ से अवैध कब्जा कर प्लाटिंग की जा रही थी। मामले में नगर निगम से शिकायत के बाद यह एक्शन हुआ है।

औरंगाबाद जागीर और औरंगाबाद खालसा गांव के तहसील सरोजनी नगर में स्थित इस जमीन पर लोगों की शिकायत के बाद यह कार्रवाई हुई है।

प्रापर्टी डीलरों द्वारा रेडीमेड बाउंड्रीवाल, प्लाटिंग कर बेचने की तैयारी थी, जिसे नगर निगम ने ध्वस्त करने की कार्रवाई की है।

जमीन गांव के गाटा संख्या 1216 क्षेत्रफल 0.416 हेक्टेयर (चारागाह), 1217 क्षेत्रफल 0.379 हेक्टेयर (ऊसर) और ग्राम औरंगाबाद खालसा की गाटा संख्या 1132 क्षेत्रफल 0.190 हेक्टेयर (ऊसर) के रूप में दर्ज है।

मौके पर प्रापर्टी डीलरों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा, जिससे पूरी प्रक्रिया शांति के साथ में संपन्न हुई। जमीन 4610 वर्गमीटर अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जिसकी वर्तमान बाजारू कीमत लगभग 22 करोड़ 30 लाख रुपए के करीब में है।

कार्रवाई के दौरान नगर निगम के राजस्व निरीक्ष प्रदीप गिरि, नगर निगम लेखपाल अनूप गुप्ता, अनुचर लालता प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकारिता का मूल आधार है सत्य, निष्पक्षता व जनहित : राजीव बबेले

ललितपुर। मां सरस्वती जी के अवतरण दिवस (बसंत पंचमी) एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जन्म जयंती पं. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में प्रेस क्लब रजि. के तत्वाधान में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने की। वहीं संचालन महामंत्री अमित सोनी ने किया। इस मौके पर मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। वहीं नेताजी के आदर्शों पर चलने आवाहन किया गया। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने कहा कि पत्रकारिता का मूल आधार सत्य निष्पक्षता और जनहित है। मां सरस्वती जी के आर्शीवाद से ही सशक्त होता है।

पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार कुन्दन पाल की पूज्यनीय माता जी के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर शोक संवेदनाएं प्रकट की गयीं।

बसंत पंचमी पर नगर पालिका की सौगात

प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में वितरित किए गए 244 बेंच-फर्नीचर सेट

पीलीभीत। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद पीलीभीत द्वारा शिक्षा को समर्पित एक सराहनीय पहल की गई। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल के नेतृत्व में शहर के विभिन्न प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में बच्चों के बैठने की सुविधा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बेंच-फर्नीचर सेट वितरित किए गए।

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने बताया कि बसंत पंचमी का पर्व विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित होता है। ऐसे शुभ अवसर पर यदि बच्चों को शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो यह वास्तव में पर्व का सार्थक रूप होता है। इसी सोच के तहत नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में कुल 244 बेंच-फर्नीचर सेट उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा।

इस क्रम में प्राथमिक विद्यालय ताखान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह की उपस्थिति में विद्यालय को बेंच-फर्नीचर सेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया गया तथा बच्चों को बसंत पंचमी परंपरा के अनुसार पीली तहरी का भोजन प्रसाद भी वितरित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने जानकारी दी कि शहर के अन्य प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में भी चरणबद्ध तरीके से बेंच-फर्नीचर सेट पहुंचाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी विद्यालय में बच्चों को बैठने में असुविधा न हो।

इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार, सभासद साकेत सक्सेना, वतनदीप मिश्रा, निजाकत अली कादरी, निर्मल सिंह टीटू, विपिन कुमार उर्फ राजू फौजी, राशिद हुसैन, अनस अंसारी, रोहित राय, अंशु सोनी, मोहम्मद शरीफ, इकबाल हजरत, अवतार सिंह उर्फ मोनू, सुनीता सिंह, जाहिदा बी, सफाई कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष मुकेश कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक, विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं अभिभावकों ने नगर पालिका परिषद की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे बच्चों को पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा और विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं में भी सुधार होगा।

जिले में चला जागरूकता अभियान, मिशन शक्ति के तहत ग्रामीण इलाकों का दौरा

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

सहारनपुर में डायमंड शोरूम में 2 करोड़ की चोरी

सहारनपुर। सहारनपुर में एक डायमंड शोरूम में बड़ी चोरी हुई। चोरों ने गुरुवार देर रात टाटा कंपनी की फेमस डायमंड फ्रेंचाइजी कैरटलेन को निशाना बनाया। 2 लाख कैश और करोड़ों रुपए के गहने चुराकर भाग गए। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह 7 बजे हुई। शोरूम के ठीक बगल में बनी सैनेटरी शॉप वाले ने इसकी जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्टाफ को शोरूम की दीवार टूटी हुई मिली। चोरी के तरीके को लेकर पुलिस का शक किसी ऐसे व्यक्ति पर है, जो शोरूम से बखूबी परिचित हो। क्योंकि,अंदर लगे सभी 20 सीसीटीवी बंद मिले। चोरी के लिए दीवार में छेद भी डीवीआर के ठीक बगल में किया गया। जिससे एंट्री करते ही पॉइंट को ऑफ किया जा सके। चोरों ने बिल्डिंग की छत से शोरूम में एंट्री का रास्ता चुना।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाजीपुर। नाबालिग से दुष्कर्म व अपहरण जैसे संगीन अपराधों के खिलाफ कासिमाबाद कोतवाली पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए एक और सफलता हासिल की है।

थाना कासिमाबाद पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 236/25 धारा 137(2), 87, 65(1) बीएनएस एवं 5 जे (2), 5 एम /6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर कानून के शिकंजे में कस दिया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक अभियुक्त द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में बीते 19 जून 2025 को थाना कासिमाबाद पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार अभियुक्त की तलाश में जुटी थी।

अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उपनिरीक्षक पुष्पेश चंद्र दूबे, चौकी प्रभारी बहादुरगंज, थाना कासिमाबाद ने मुखबिर खास की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त शुभम जायसवाल (22 वर्ष) पुत्र सुनील जायसवाल, को अम्बेडकर तिराहा, बहादुरगंज से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त ग्राम सदर बाजार, सब्जी मंडी, वार्ड नंबर-2, बहादुरगंज थाना कासिमाबाद का निवासी बताया गया है।

पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने हत्या के मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 85/2026 धारा 352/103(1) बीएनएस के वांछित अभियुक्त सोबरन सिंह उर्फ भूरा उर्फ कल्लू पुत्र स्व0 राम सिंह राजपूत उम्र करीब 35 वर्ष निवासी ग्राम टेनगा थाना महरौनी जिला ललितपुर हाल निवासी मुहल्ला करीमनगर आजादपुरा थाना कोतवाली को ग्राम पटौराकला से नियमानुसार गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है । वादी मुकदमा की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित की गयी थी ।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइंस में ली परेड की सलामी

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान टर्न-आउट, शारीरिक मुद्रा एवं अनुशासन, ड्रिल एवं परेड मूवमेंट तथा शारीरिक फिटनेस आदि का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया । आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित परेड की रिहर्सल का पुलिस अधीक्षक ललितपुर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परेड की तैयारी, अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की परेड का पुलिस अधीक्षक द्वारा उच्च मानकों के अनुसार बारीकी से निरीक्षण किया गया, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा प्रशिक्षण संबंधी कमी को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए । तत्पश्चात रिज़र्व पुलिस लाइन्स में स्थित विभिन्न शाखाओं जैसेङ्क क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, कैंटीन, कन्ट्रोल रुम, वर्दी स्टोर आदि का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं संसाधनों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गये । डायल-112 के PRV वाहनों निरीक्षण किया गया ।

निरीक्षण के दौरान वाहनों की साफ-सफाई, संचार उपकरणों (वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल) की कार्यशीलता एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई। पीआरवी स्टॉफ को आमजन के प्रति संवेदनशील, संयमित एवं सेवा भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया ।त्वरित रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए । डायल-112 की पीआरवी 5808 के कर्मचारियों द्वारा तत्परतापूर्वक त्वरित सहायता प्रदान कर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियो को अस्पताल पहुँचाने एवं अन्य उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य किए जाने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें 5,000 का नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

डायल-112 की पीआरवी 5806 के कर्मचारियों द्वारा तत्परतापूर्वक त्वरित सहायता प्रदान कर जीवन बचाने एवं अन्य उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य किए जाने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें 5,000 का नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

डीएम-एसपी ने पैदल मार्च कर सुरक्षा का लिया जायजा

ललितपुर। डीएम और एसपी ने आगामी गणतंत्र दिवस, आगामी त्योहारों की शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवानों के साथ पैदल गश्त की।

गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की गई। जिलाधिकारी सत्यप्रकाश व पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा थाना कोतवाली,ललितपुर क्षेत्रातंर्गत पैदल गश्त/भ्रंमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा दो व चार पहिया वाहनों की चेकिंग कर वाहन चालको को हेल्मेट/सीट बेल्ट लगाने आदि के संबंध में जागरूक किया गया ।पुलिस अधीक्षक द्वारा छोटे दुकानदारों एवं ठेला-रेहड़ी वालों को सड़क से किनारे निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो ।एसपी द्वारा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को रात्रि में नियमित रूप से सदिग्ध वाहनो / व्यक्तियों की चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया ।

नहर में अज्ञात युवक का मिला शव

रायबरेली। रायबरेली जिले के खान आलमपुर सतहरा गांव के पास शारदा सहायक नहर में शुक्रवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, शव लगभग 10 दिन पुराना लग रहा है और सड़ने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। युवक ने लाल रंग का स्वेटर, गेहुंआ रंग की शर्ट और काले रंग की पैंट पहनी हुई थी। ऊंचाहार कोतवाली प्रभारी अजय कुमार राय ने बताया कि शर्ट के कॉलर में लखनऊ के एक टेलर का लोगो लगा हुआ था। टेलर से संपर्क करने पर युवक के एचपी गैस या पेट्रोल पंप का कर्मचारी होने की जानकारी मिली है। हालांकि, युवक की पहचान और उसके निवास स्थान की जानकारी अभी जुटाई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

शार्ट न्यूज

रज्जब अली खादिम एम राष्टीय समाज फाउंडेशन इंडिया के जिलाध्यक्ष बने

ललितपुर। जनाब रज्जब अली खादिम दरगाह हजरत बाबा सदन शाह को एम राष्टीय समाज फाउंडेशन इंडिया का जिला जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।एम राष्टीय समाज फाउंडेशन इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष माननीय नाजिम अली जी के निर्देश पर जनाब रज्जब अली जी (खादिम दरगाह हजरत बाबा सदन शाह) को एम राष्टीय समाज फाउंडेशन इंडिया में उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बहुत बहुत मुबारकबाद दी।

आगरा पुलिस ने 1.15 करोड़ का गांजा पकड़ा

आगरा। आगरा पुलिस ने 226 किलोग्राम गांजा के साथ 2 तस्करों को पकड़ा है। इस गांजे की कीमत लगभग 1.15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन तस्करों की निशानदेही पर पुलिस अब गांजा सप्लाई के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। थाना नाई की मंडी पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 226 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया-पुलिस को लंबे समय से गांजा तस्करी की गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही थीं। थाना नाई की मंडी पुलिस ने संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद मौके से ही दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं।

घाटमपुर बस स्टॉप का सौंदर्यीकरण शुरू

कानपुर। घाटमपुर नगर के कानपुर-सागर मार्ग स्थित बस स्टॉप के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शुक्रवार शाम घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने विधिवत पूजन-अर्चना के साथ लगभग 50 लाख रुपये की लागत से होने वाले सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने जो काम कहा वो पूरा कर रही है। बीते दिनों घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने परिवहन मंत्री दयाशंकर को पत्र लिखकर घाटमपुर बस स्टॉप के सौंदर्यीकरण की मांग की थी। विधायक की पहल पर परिवहन विभाग द्वारा इसके लिए बजट स्वीकृत किया गया, जिसके बाद निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय व्यापारियों ने बस स्टॉप परिसर में निर्माणाधीन शौचालय की छत डलवाने की मांग रखी। व्यापारियों का कहना था कि उनके घर बस स्टॉप से सटे हुए हैं, ऐसे में शौचालय में छत होना आवश्यक है। इस पर विधायक ने संज्ञान लेते हुए ठेकेदार को शौचालय में छत डलवाने के निर्देश दिए और व्यापारियों को आश्वस्त किया।

तेरहवीं में सास-बहू में मारपीट, ससुर घायल

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के नगला विष्णु गिहार बस्ती में शुक्रवार को तेरहवीं कार्यक्रम के दौरान सास-बहू के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में ससुर लाखन घायल हो गए। बताया गया है कि मृतका की तेरहवीं में शामिल होने के लिए रिश्तेदार एकत्र हुए थे, तभी आपसी कहासुनी शुरू हो गई। पीड़िता छोटी के अनुसार, उनकी मां की तेरहवीं के कार्यक्रम में सभी रिश्तेदार शोक व्यक्त करने आए थे। इसी दौरान बहू प्रीती ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया और ईंट-पत्थर तथा चप्पलों से हमला कर दिया। इस हमले में ससुर लाखन को चोटें आईं। आरोप है कि तेरहवीं जैसे संवेदनशील कार्यक्रम में लात-घूंसे भी चले, जिससे वहां का माहौल तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी बहू प्रीती का मायका कासगंज जनपद के सोरों में है। परिवार का यह मामला पहले से ही न्यायालय में विचाराधीन है, जिसके कारण दोनों पक्षों के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ था। थाना लाइन पार के इंस्पेक्टर रमित कुमार आर्य ने बताया कि सास और बहू के बीच मारपीट की सूचना मिलने पर दोनों पक्ष थाने आए थे।

35 लाख की चोरी के मामले में महिला जेल गई

कानपुर। कानपुर की जाजमऊ पुलिस ने 35 लाख रुपये की चोरी के मामले में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह महिला चोरी का माल छिपाने और बेचने में शामिल थी। इससे पहले, पुलिस दो शातिर चोरों और एक सुनार को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार की गई महिला का नाम राजकुमारी है, जो मुख्य आरोपी अंकित की मां है। उस पर चोरी का 40 प्रतिशत माल बेचने और शेष 60 प्रतिशत को नाली के नीचे ईंटों व गमले में छिपाने का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह मामला 12 जनवरी की रात का है, जब रिटायर एसबीआई कर्मी सुधीर अग्रवाल के बंद मकान से लाखों के जेवर चोरी हो गए थे। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि चोरों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई गई थीं। सीसीटीवी फुटेज की मदद से बेकनगंज निवासी फिरोज उर्फ अजमेरी और कांशीराम कॉलोनी, सनिगवां के अंकित को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अंकित की मां राजकुमारी ने चोरी का माल नौबस्ता निवासी सुनार अनुराग त्रिपाठी को बेचा था। पुलिस ने सुनार को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसटीएफ ने 1 लाख के ईनामी को पकड़ा

कन्नौज। कन्नौज पुलिस और एसटीएफ ने एक लाख रुपये के इनामी बदमाश जसवंत उर्फ पंकज चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। यह बदमाश चार महीने से फरार था और एक महिला की हत्या तथा लूटपाट के मामले में वांछित था। यह घटना 22 सितंबर 2025 को सदर कोतवाली क्षेत्र के कुतुलूपुर मोहल्ले में हुई थी। जसवंत और उसके भतीजे सूरज ने सुनीता श्रीवास्तव के घर में टाइल्स लगाने का काम करते हुए सुनीता की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उन्होंने सुनीता की बड़ी बेटी दिया श्रीवास्तव को बंधक बनाकर घर में लूटपाट भी की थी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही बदमाश सूरज को रामपुर गढ़ी के पास मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया था। जसवंत उर्फ पंकज चौहान तभी से फरार चल रहा था। जिस पर अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। कन्नौज पुलिस और एसटीएफ टीम को मुखबिर से तिर्वा क्षेत्र में जसवंत के होने की सूचना मिली। पुलिस टीमों ने घेराबंदी की। शुक्रवार दोपहर तिर्वा रोड पर उसकी बाइक खराब हो गई, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। जसवंत के पास से पुलिस ने एक चांदी की मूर्ति, एक चांदी की अंगूठी और 16,680 रुपए नकद बरामद किए हैं।

पीलीभीत में आपदा प्रबंधन के लिए मॉक ड्रिल

पीलीभीत। पीलीभीत के ड्रमण्ड इंटर कॉलेज में आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के लिए ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास किसी भी आपातकालीन स्थिति या युद्ध जैसी आपदा के दौरान स्वयं की सुरक्षा और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया था। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने इसका नेतृत्व किया। मॉक ड्रिल के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने नागरिकों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सजग नागरिक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ब्लैक आउट की स्थिति को स्पष्ट करते हुए बताया कि यह हवाई हमलों या अन्य सुरक्षा कारणों से पूरे शहर की रोशनी बंद होने पर उत्पन्न होती है। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय अनुशासन बनाए रखना ही सबसे बड़ा बचाव है। अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने सुरक्षा मानकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा के समय अफवाहें सबसे तेजी से फैलती हैं और नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने लोगों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

मिनेसोटा– आप्रवासन अभियान को लेकर कानूनी विवाद गहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राज्य मिनेसोटा में संघीय अधिकारियों के बड़े आप्रवासन प्रवर्तन अभियान को लेकर कानूनी विवाद गहरा गया है। संघीय अभियोजकों ने गवर्नर टिम वाल्ज और पांच अन्य अधिकारियों को ग्रैंड जूरी के समन भेजे हैं। जांच इस बात की हो रही है कि क्या स्थानीय अधिकारियों ने मिनेपोलिस–सेंट पॉल क्षेत्र में चल रहे अभियान में बाधा डाली। समन पाने वालों में अटार्नी जनरल कीथ एलिसन और मिनेपोलिस व सेंट पॉल के मेयर भी शामिल हैं। यह कदम अभियान को रोकने के लिए दायर मुकदमे के बाद उठाया है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद ने पारित किए हेट–स्पीच विरोधी कानून

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने सिडनी के बॉन्डी तट पर हुए आतंकी हमले के जवाब में सख्त बंदूक नियंत्रण और हेट–स्पीच (नफरती भाषण) विरोधी कानून पारित कर दिए हैं। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को इस फैसले का स्वागत किया। पिछले महीने एक यहूदी उत्सव के दौरान पिता–पुत्र हमलावरों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। नए कानूनों के तहत हथियारों के स्वामित्व पर प्रतिबंध लगाया गया है और सरकार द्वारा हथियारों को वापस खरीदने का कार्यक्रम शुरू होगा।

श्रीलंका के 30 जजों को भोपाल की अकादमी में मिला प्रशिक्षण

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के 30 जिला न्यायाधीशों ने भोपाल स्थित भारतीय राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में एक विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) में भाग लिया। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, 12 से 16 जनवरी तक चले इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट के अनुरोध पर किया गया था। सप्ताह भर चले इस प्रशिक्षण में जुवेनाइल जस्टिस, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और तनाव प्रबंधन जैसे 11 महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। न्यायाधीशों ने सांस्कृतिक अनुभव के लिए सांची का दौरा भी किया।

श्रीलंका में शुरू हुआ भारत के सहयोग से बना तीसरा बेली ब्रिज

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के मध्य प्रांत में बुधवार को भारत द्वारा निर्मित तीसरे बेली ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया गया। यह पुल चक्रवात दित्वाह के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत के 45 करोड़ डॉलर के सहायता पैकेज का हिस्सा है। भारतीय उप–उच्चायुक्त डॉ सत्यांजल पांडेय और सांसद मंजुला सुरवीरा अराची ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया।

दक्षिण कोरिया– पूर्व पीएम हान को विद्रोह के लिए 23 वर्ष जेल

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि देश के तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लगाया गया मार्शल लॉ विद्रोह का कृत्य था। अदालत ने इस मामले में भूमिका के लिए देश के पूर्व पीएम हान डक–सू को 23 साल की सजा सुनाई। यून पहले अधिकारी थे जिसे मार्शल लॉ में दोषी ठहराया गया।

अमेरिका– अंतरिम अटॉर्नी लिंडसे ने पद छोड़ा, नियुक्ति पर था विवाद

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन ने अपना 120 दिन का कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ दिया है। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नियुक्त किया था। हैलिगन की नियुक्ति को दो महीने पहले एक अदालत ने अवैध घोषित कर दिया था। बिना अनुभव उन्होंने पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी और न्यूयॉर्क अटार्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ आरोप पत्र दायर किए थे, जिन्हें बाद में अदालत ने खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट लिसा कुक के साथ खड़ा दिखा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिए हैं कि वह फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटाने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश को रोक सकता है। ट्रंप ने उन पर मॉर्गेज धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं, जिसे लिसा कुक ने सिरे से खारिज कर दिया है। न्यायाधीशों का मानना है कि अगर फेड के गवर्नर को इस तरह हटाया गया तो इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। जस्टिस ब्रेट कावानॉ ने कहा कि इससे फेड की निष्पक्षता पर गहरा असर पड़ेगा।आरोप है कि लिसा कुक ने 2021 में दो मकानों को 'प्राइमरी रेजिडेंस' बताया, जिससे कम ब्याज दर पर लोन मिल सकता है। लेकिन उनके वकील ने कहा कि यह सिर्फ एक दस्तावेजी गलती थी, कोई धोखाधड़ी नहीं। ट्रंप की असली मंशा ब्याज दरों पर कंट्रोल पाने की मानी जा रही है।

गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होंगे 8 इस्लामिक देश: इनमें कतर, तुर्किये और पाकिस्तान भी

दोहा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बनाए गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में 8 इस्लामिक देशों ने शामिल होने पर सहमति जताई है। इन देशों में कतर, तुर्किये, मिस्त्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक इन देशों के विदेश मंत्रियों ने कतर की राजधानी दोहा संयुक्त बयान इसका ऐलान किया। बयान में कहा गया है कि सभी देशों ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का साझा फैसला लिया है। हर देश अपने-अपने कानूनी और जरूरी प्रक्रियाओं के तहत इसमें शामिल होने से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा। मिस्त्र, पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात पहले ही बोर्ड में शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं।

ट्रम्प का दावा– पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होंगे : ट्रम्प ने दावा किया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने यह बयान स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान दिया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि पुतिन को न्योता दिया गया था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। दूसरी तरफ पुतिन ने कहा है कि बोर्ड में औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला रणनीतिक साझेदारों से सलाह के बाद ही लिया जाएगा। व्हाइट हाउस के मुताबिक, अब तक करीब 50 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता दिया गया है, जिनमें से 35 से अधिक देशों ने अपनी सहमति दे दी है।

गाजा पीस बोर्ड को रूस 1 अरब डॉलर देगा

रूस ने गाजा पीस बोर्ड को 1 अरब डॉलर देने की पेशकश की है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भले ही बोर्ड में उसकी औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला न हुआ हो, लेकिन वह 1 अरब डॉलर देने पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पैसा उस रूसी संपत्ति से लिया जा सकता है, जिसे अमेरिका ने पिछली सरकार के दौरान फ्रीज कर दिया था। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। इन्हीं प्रतिबंधों के तहत अमेरिका और यूरोप में रूस के सेंट्रल बैंक और सरकारी फंड से जुड़ी अरबों डॉलर की संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया था। इन पैसों पर रूस का मालिकाना हक तो बना रहता है, लेकिन वह बिना अमेरिकी मंजूरी के इनका इस्तेमाल नहीं कर सकता। पुतिन अब इसी फ्रीज संपत्ति से गाजा पीस बोर्ड को 1 अरब डॉलर देने की बात कर रहे हैं।

सीजफायर के बाद गाजा पीस प्लान अब दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा के गठन का ऐलान किया है। इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) का गठन किया गया है। ट्रम्प खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत किए की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है। इजराइल ट्रम्प के पीस बोर्ड को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुका है। नेतन्याहू के ऑफिस के मुताबिक, विदेश मंत्री गिदोन सार इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने उठाएंगे। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि बोर्ड का कौन सा हिस्सा इजराइल को आपत्तिजनक लग रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य समस्या तुर्किए विदेश मंत्री हाकान फिदान को शामिल करने से है। तुर्किए को हमास का समर्थक माना जाता है और इजराइल के साथ इसका संबंध तनावपूर्ण हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोगन ने इजराइल की गाजा कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। इजराइल का कहना है कि ऐसे देशों को गाजा के प्रशासन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। इजराइली राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने नेतन्याहू के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि गाजा को 'कार्यकारी बोर्ड' की जरूरत नहीं, बल्कि हमास को पूरी तरह खत्म करने और बड़े पैमाने पर खुद से पलायन की जरूरत है।

पीस बोर्ड के हर सदस्य की अपनी तय जिम्मेदारी होगी : व्हाइट हाउस ने कहा कि एग्जीक्यूटिव बोर्ड का हर सदस्य गाजा की स्थिरता और लंबे समय की सफलता से जुड़े एक तय पोर्टफोलियो की जिम्मेदारी संभालेगा। इसमें शासन क्षमता बढ़ाना, क्षेत्रीय संबंध, पुनर्निर्माण, फंडिंग और पूंजी जुटाना शामिल है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, आने वाले हफ्तों में बोर्ड ऑफ पीस और गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड के और सदस्यों की घोषणा की जाएगी। एनसीएजी डॉ. अली शाथ के नेतृत्व में काम करेगी। डॉ. शा'थ एक तकनीकी विशेषज्ञ (टेक्नोक्रेट) हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अली शाथ गाजा में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं (जैसे पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा) को बहाल करने, नागरिक संस्थाओं को मजबूत करने और रोजमर्रा की जिंदगी को स्थिर करने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

रिपोर्ट– परमानेंट सदस्यता पाने के लिए देशों को एक अरब डॉलर देने होंगे : ट्रम्प की प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' में सदस्यता को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है। ब्लूमबर्ग न्यूज ने शनिवार को रिपोर्ट किया कि बोर्ड के ड्राफ्ट चार्टर में कहा गया है कि देशों को परमानेंट सदस्यता पाने के लिए पहले साल में .1 बिलियन (एक अरब डॉलर) की फीस देनी होगी। ट्रम्प तय करेंगे कि किस देश को सदस्य बनने का निमंत्रण मिलेगा। सामान्य सदस्यता 3 साल की होगी, जिसे बाद में रिन्यू किया जा सकता है। अगर कोई देश चार्टर लागू होने के पहले साल में 1 बिलियन से ज्यादा (एक अरब डॉलर) कैश फंड देता है, तो उसकी 3 साल की समय सीमा लागू नहीं होगी यानी स्थायी सदस्यता मिल जाएगी। फंड का इस्तेमाल बोर्ड के खर्चों के लिए होगा, लेकिन कहां-कैसे खर्च होगा, इसकी स्पष्ट डिटेल नहीं है। व्हाइट हाउस ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को गुमराह करने वाला बताया है। व्हाइट हाउस ने कहा, 'यह गुमराह करने वाली रिपोर्ट है। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए कोई न्यूनतम सदस्यता फीस नहीं है। यह सिर्फ उन पार्टनर देशों को स्थायी सदस्यता का ऑफर है जो शांति, सुरक्षा और समृद्धि के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाते हैं।' इस पहल में 'ट्रम्प इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान' भी शामिल है। इसके तहत मिडिल ईस्ट में आधुनिक 'मिरेकल सिटीज' विकसित करने से जुड़े विशेषज्ञों का पैनल बनाकर गाजा के पुनर्निर्माण और विकास की योजना तैयार की जाएगी।

कोर्टरूम में भावुक हुए ब्रिटिश प्रिंस हैरी, बोले- मीडिया ने पत्नी की जिंदगी नर्क बना दी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी बुधवार को लंदन की हाई कोर्ट में गवाही के दौरान भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश मीडिया ने उनकी पत्नी मेगन मार्कल की जिंदगी 'नर्क' बना दी। कई घंटे की सुनवाई के बाद वह आंसू रोकते हुए बाहर निकले। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला डेली मेल अखबार के पब्लिशर के खिलाफ चल रहे मुकदमे से जुड़ा है। हाई कोर्ट में प्रिंस हैरी ने कहा कि मीडिया उनकी निजी जिंदगी में लगातार दखल देता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने वैध स्त्रोतों के बजाय अवैध तरीकों से उनकी निजी जानकारी जुटाई।

हैरी ने कोर्ट में कहा, 'वे अब भी मेरे पीछे पड़े हैं। उन्होंने मेरी पत्नी की जिंदगी पूरी तरह नर्क बना दी।' प्रिंस हैरी समेत सात मशहूर हस्तियों ने डेली मेल के पब्लिशर एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स लिमिटेड पर मुकदमा किया है। आरोप है कि बीते करीब 20 साल में निजी जानकारी जुटाने के लिए गैरकानूनी तरीके अपनाए गए। पब्लिशर ने सभी आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि विवादित खबरें वैध सोर्स पर आधारित थीं। यह ट्रायल करीब नौ हफ्ते चलने की उम्मीद है। हैरी ने कहा कि मीडिया के लगातार हमलों, उत्पीड़न और नस्लवादी लेखों की वजह से ही उन्होंने और मेगन ने 2020 में शाही जिम्मेदारियां छोड़कर अमेरिका जाने का फैसला किया।

पाकिस्तान : सांसद एक साल तक संपत्ति की जानकारी छिपा सकेंगे; नेशलन असेंबली में बिल पास

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने बुधवार को एक बिल पास किया, जिसके तहत सांसद अब अपनी और अपने परिवार की संपत्तियों का ब्योरा एक साल तक सार्वजनिक नहीं कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सांसदों और उनके परिजनों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रावधान तभी लागू होगा, जब यह माना जाए कि किसी सांसद या उसके परिवार की संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा उनकी जान या सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ऐसे मामलों में असेंबली के स्पीकर या सीनेट के चेयरमैन को संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक न करने का अधिकार होगा। हालांकि, सांसद को अपनी संपत्तियों और देनदारियों का पूरा और सही विवरण गोपनीय रूप से चुनाव आयोग को देना अनिवार्य होगा। यह छूट अधिकतम एक साल के लिए दी जा सकेगी। अभी तक नेशनल असेंबली, सीनेट और प्रांतीय विधानसभाओं के सभी सदस्यों को हर साल 31 दिसंबर तक अपनी संपत्तियों और देनदारियों का पूरा विवरण पाकिस्तान के चुनाव आयोग को देना होता है। इसमें जीवनसाथी और आश्रित बच्चों की संपत्तियां भी शामिल रहती हैं। इस बिल का जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने विरोध किया।

पूर्व पीएम ओली ने किया चुनाव में दो-तिहाई बहुमत मिलने का दावा, बालेन पर साधा निशाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव में दो-तिहाई बहुमत का दावा किया है। झापा के कमल गांवपालिका में उन्होंने कहा कि मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से एमाले के पक्ष में है और पार्टी को करीब 70 फीसदी मत मिलने की संभावना है।

बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने साझा निशाना : ओली ने नेपाली कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से कमजोर बताया और कहा कि पूर्व माओवादी दल के मतदाता भी अब एमाले के साथ हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेन्द्र शाह बालेन पर ओली ने कहा, भूमिहीनों की बस्तियों पर बुलडोजर चलाने वाले पुनर्वास की पीड़ा नहीं समझ सकते।

चुनाव मैदान में डटे चार पूर्व प्रधानमंत्री : नेपाल में 4 पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली झापा-5 से चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) के पुष्प कमल दहल प्रचंड रुकुम पूर्व से मैदान में हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल व प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से हैं।

4 मंत्रियों का आगामी चुनाव के लिए इस्तीफा : नेपाल में कार्यवाहक पीएम सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। इनमें महाबीर पुन शामिल हैं।?इससे पहले जगदीश खरेल, बबलू गुप्ता और कुलमान घीसिंग भी मंत्री पद छोड़ चुके हैं। नेपाल में आम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में चुनाव की तैयारी, सेना बोली– दिसंबर में चुने जाएंगे राष्ट्रपति

गिनी–बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ देश ने पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए देश में नए चुनावों की तारीख तय कर दी है। जुंटा (सैन्य अधिकारियों का एक समूह जो बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करके देश पर शासन करता है) के नेता जनरल होर्टा इंटा-ए ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति और संसद के चुनाव छह दिसंबर को होंगे। जनरल ने एक आदेश जारी कर कहा कि अब देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए माहौल पूरी तरह तैयार है।

कई बार हुई है तख्तापलट की कोशिश : पिछले साल नवंबर में सेना ने यहां की सत्ता अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सेना प्रमुख इंटा-ए को एक साल के लिए सरकार चलाने की जिम्मेदारी मिली थी। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। पुर्तगाल से आजादी मिलने के 50 साल बाद भी यहां अक्सर तख्तापलट होता रहता है। पिछले साल अक्टूबर में भी तख्तापलट की एक कोशिश हुई थी।

पश्चिम अफ्रीका कई देशों में हुआ है तख्तापलट : यह देश लैटिन अमेरिका और यूरोप के बीच ड्रग्स की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। जानकारों का कहना है कि इसी वजह से यहां राजनीतिक संकट बना रहता है। साल 2020 के बाद से पश्चिम अफ्रीका के कई देशों में सेना ने सत्ता संभाली है। माली, नाइजर और बुर्किना फासो में भी सेना ने सुरक्षा और बेहतर शासन के नाम पर सरकार गिरा दी थी। पड़ोसी देश गिनी में भी 2021 में जनरल ममादी डौम्बौया ने भ्रष्टाचार खत्म करने के वादे के साथ राष्ट्रपति को हटा दिया था।

क्या वेनेजुएला में मादुरो की वापसी?: सड़कों पर देखे गए समर्थन वाले पोस्टर

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी काराकास इन दिनों राजनीतिक पोस्टरों से भर गई है। शहर की मुख्य सड़कों, चौराहों, इमारतों और विज्ञापन पट पर लगे पोस्टर में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी की मांग की जा रही है। स्थानीय इलाकों से लेकर व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों तक हर जगह ये पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में मादुरो को देश की स्थिरता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का क्या है कहना : वहीं इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह अभियान मादुरो समर्थक खेमे की संगठित रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इनका उद्देश्य आम जनता के बीच अपने समर्थन को मजबूत करना और राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखना है। खास तौर पर ऐसे समय में, जब देश आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना कर रहा है।

विपक्ष ने बताया राजनीतिक प्रोपेगेंडा : दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने इस तरह के सार्वजनिक प्रचार को एकतरफा राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार दिया है। हालांकि, विरोध के बावजूद काराकास की सड़कों पर फिलहाल मादुरो का चेहरा ही सबसे प्रभावी नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि यह दृश्य वेनेजुएला की राजनीति और जनमत पर कितना असर डालता है।

क्या है विवाद : यह विवाद मुख्य रूप से नार्को-टेररिज्म और सत्ता की वैधता को लेकर है। अमेरिका ने मादुरो पर दशकों से ड्रग तस्करी करने और 'कार्टेल ऑफ द संस' जैसे समूहों के जरिए अमेरिका में कोकीन भेजने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, अमेरिका उन्हें एक अवैध तानाशाह मानता है। अमेरिका का कहना है कि मादुरो चुनावों में धांधली कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा। वर्तमान में मादुरो न्यूयॉर्क की जेल में हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं।

अमेरिका ने की थी कार्रवाई : बता दें कि अमेरिकी सेना ने तीन जनवरी 2026 को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' के तहत एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था। इस ऑपरेशन में करीब 150 लड़ाकू विमानों और विशेष सैन्य बलों (डेल्टा फोर्स) का इस्तेमाल किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मादुरो को सीधे न्यूयॉर्क ले जाया गया था।

ट्रंप की जी हुजूरी में बुरे फंसे शहबाज शरीफ, गाजा बोर्ड पर पाकिस्तानियों ने ही किया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने का खामियाजा पाकिस्तान को घर में ही भुगतना पड़ सकता है। खबर है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार के इस फैसले से कई बड़े नेता नाराज नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से न्योता स्वीकार किए जाने को नैतिक रूप से गलत करार दिया जा रहा है। हालांकि, रक्षा मंत्री आसिफ ख्वाजा ने फैसले का बचाव किया है।

सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने पीस बोर्ड को शुरुआत से ही गलत बताया है। उन्होंने कहा, 'ऐसे इंतजाम सिर्फ कामकाज संभालने तक ही सीमित नहीं रहते।' उन्होंने कहा, 'यह पहल शुरू से ही गलत थी। इसे जंग के बाद गाजा को बाहरी लोगों द्वारा चलाने के लिए बनाया गया था, जो असल में फिलिस्तीनी लोगों से उनका खुद का राज चलाने का अधिकार छीन लेता है। जब गाजा को फिर से बनाने, उसकी सुरक्षा और राजनीति की जिम्मेदारी बाहरी लोगों को दे दी जाती है, तो यह नए जमाने की गुलामी जैसा लगता है। तहरीक ए तहफ्फुज ए आईन ए पाकिस्तान के नेता मुस्तफा नवाज खोकर भी इस फैसले से नाराज नजर आ रहे हैं। उन्होंने सरकार पर बगैर चर्चा के फैसला लेने के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा, 'यह तथाकथित 'बोर्ड ऑफ पीस' गाजा पर राज करने और हृ के मुकाबले एक दूसरा सिस्टम खड़ा करने की एक कोशिश है, जो पुराने दौर की गुलामी जैसा लगता है। यह बोर्ड उन पुराने तरीकों और संस्थाओं को छोड़ने की हिम्मत दिखाएगा जो अक्सर नाकाम रही हैं। इसकी अपनी भाषा में कहें तो, यह शांति बनाने वाली एक ज्यादा फुर्तीली और असरदार अंतरराष्ट्रीय संस्था होगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस बोर्ड के नियम ट्रंप को असीमित ताकत देते हैं, ताकि वे बिना किसी रोक-टोक के अपना और अमेरिका का एजेंडा लागू कर सकें। इसमें इस एकतरफा नतीजे को रोकने का कोई रास्ता नहीं रखा गया है।' इनके अलावा अमेरिका में पाकिस्तान की राजदूत रह चुकीं मलीहा लोधी, पत्रकार जाहिद हुसैन जैसे कई नामों ने पाकिस्तान सरकार के कदम पर सवाल उठाए हैं।

सरकार ने किया बचाव : एक इंटरव्यू के दौरान आसिफ ने कहा था कि बोर्ड में बड़े देशों और न्योता भेजा गया था और पाकिस्तान को ऐसे किसी भी समूह का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'अगर हम इस चर्चा या मंच से दूर रहते हैं, तो जो भी फैसले लिए जाएंगे उनमें हमारी कोई अहमियत नहीं रह जाएगी। अगर हम वहां मौजूद रहेंगे, तो हम अपने फिलिस्तीनी भाइयों के लिए और भी बेहतर तरीके से आवा उठा सकेंगे।' उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान को इस फोरम का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए।

शेख हसीना पर देशद्रोह केस में 9 फरवरी को अगली सुनवाई, युनुस सरकार को गिराने की साजिश का आरोप : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत शेख हसीना के खिलाफ दर्ज देशद्रोह मामले में 9 फरवरी को अगली सुनवाई करेगी। यह मामला दिसंबर 2024 में हुई एक ऑनलाइन बैठक 'जय बांग्ला ब्रिगेड' से जुड़ा है। आरोप है कि दिसंबर 2024 में शेख हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों नेताओं ने 'जय बांग्ला ब्रिगेड' नाम के एक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था। बैठक में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश रची गई थी। केस में कुल 286 आरोपी हैं, जिनमें से ज्यादातर फरार हैं। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को छात्र आंदोलन के बाद देश छोड़कर भारत चली आई थीं। नवंबर 2025 में एक बांग्लादेश की विशेष ट्रिब्यूनल ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध और अन्य मामलों में फांसी की सजा सुनाई थी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : जीत का सिलसिला जारी रखने उतरगी भारतीय अंडर 19 टीम

बुलावायो (एजेंसी)। इंडिया अंडर19 और न्यूज़ीलैंड अंडर19 के बीच शनिवार को होने वाला ग्रुप-स्टेज का मुकाबला क्रिकेट से कहीं ज्यादा होने वाला है। यह मुकाबला स्किल, हिम्मत और अनप्रेडिक्टेबल होने वाला है। इंडिया अंडर-19 का मुकाबला न्यूजीलैंड की टीम से है जो बारिश से बाधित मैचों के कारण मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष कर रही है।

इंडिया अंडर-19 अपने दोनों ग्रुप मैच पहले ही जीत चुका है और अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। आयुष म्हात्रे की लीडरशिप वाली युवा टीम में टैक्टिकल स्किल के साथ वैभव सूर्यवंशी और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों की इंडिविजुअल काबिलियत का मेल है। उनके इन-फॉर्म बॉलर, जिनमें हेनिल पटेल और खिलन पटेल शामिल हैं, एक खतरनाक बढ़त देते हैं, जिससे इंडिया मैच में फेवरेट बन जाता है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड अंडर19 अपने पिछले मैचों में भारी बारिश के कारण बहुत कम मैच एक्सपीरियंस के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। उनके टॉप-ऑर्डर बैट्समैन और टॉम जोन्स और कैलम सैमसन जैसे खास बॉलर, इंडिया के मजबूत अटैक को संभालने और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब की बॉलर-फ्रेंडली और अनप्रेडिक्टेबल पिच पर एडजस्ट करने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहे हैं।

इस ड्रामा को और बढ़ाने वाली बात यह है कि आंधी-तूफान और लगातार बारिश खेल में रुकावट डाल सकती है, जिससे मैच का रोमांच बढ़ जाएगा और फैंस सोच में पड़ जाएंगे कि मैच पूरी तरह से होगा या एक हाई-इंटेंसिटी, छोटा मुकाबला बनकर रह जाएगा। खेल का दबदबा, मौसम का ड्रामा और कुछ लोगों के दमदार प्रदर्शन का यह मेल इस मैच को जरूर देखने लायक बनाता है।

इंडिया के इन-फॉर्म बॉलर न्यूजीलैंड की बारिश से प्रभावित बैटिंग लाइनअप को परखेंगे, जबकि सुपर सिक्स स्टेज से पहले इंडिया के टॉप-ऑर्डर पर फॉर्म को बड़े स्कोर में बदलने का दबाव बनेगा। मौसम की अनिश्चितता और पिच का नेचर नतीजे को अचानक बदल सकते हैं। इंडिया अंडर19 टीम अपने लगातार परफॉर्मेंस और बेहतर अनुभव का फायदा उठाकर जीतने की प्रबल दावेदार है। हालांकि, बारिश के कारण खेल रुक सकता है, जिससे अनप्रेडिक्टेबल नतीजे और नाटकीय पलों की गुंजाइश बन सकती है।

अगर मैच आगे बढ़ता है, तो फैंस को डिसिप्लिन्ड बॉलिंग, जरूरी पाटर्नरशिप और शानदार पर्सनल परफॉर्मेंस वाले मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए। यह गेम सिर्फ़ एक रेगुलर ग्रुप-स्टेज मैच नहीं है-यह एम्बिशन, मुश्किलों

और मौके की कहानी है। इंडिया अंडर19 का बारिश से प्रभावित न्यूज़ीलैंड टीम के खिलाफ़ बिना हारे जीत की कोशिश उस एक्साइटमेंट और अनप्रिडिक्टेबिलिटी को दिखाता है जो अंडर-19 वर्ल्ड कप को फ्यूचर स्टार्स के लिए एक अच्छा ग्राउंड बनाती है।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन हारे, इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता (एजेंसी)। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सिंधू का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधू 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधू की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत वर्ष 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट तक चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का 21 साल कर यह खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जतायी है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून।

तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले भे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

टी20 विश्वकप से बाहर हुए न्यूजीलैंड के एडम, जैमीसन शामिल

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज एडम मिलने चोटिल होने के कारण अगले माह भारत में होने वाले टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। एडम को ये चोट 20 लीग खेलते समय लगी। इसके बाद उनकी जगह पर काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया गया है। जैमिसन अभी भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं। जैमीसन पहले से ही न्यूजीलैंड की ट्रैवलिंग रिजर्व में शामिल थे। न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप के ग्रुप-डी में शामिल है। उसे अपना पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान से खेलना है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, एडम के बाएं हैमस्ट्रिंग में में खिंचाव आया है जिससे वह टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह पर जैमीसन को शामिल किया गया है। उन्हें एस20 में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। जैमीसन को पहले ही भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया था।

कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि एडम के बार होने पर हमें भी निराशा हुई है पर ये खेला का हिस्सा है।। उन्होंने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए काफी मेहनत की थी। ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपने अच्छी फॉर्म में दिखे थे। हम उनके शीघ्र ठीक होने की कामना करते हैं।वहीं वाल्टर ने जैमीसन को लेकर कहा कि वह एक विकल्प हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि वह पहले से ही हमारे साथ हैं। वह हमारे तेज गेंदबाजी समूह में शामिल हैं। इस दौरे पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की है। वह एक मेहनती खिलाड़ी हैं जिनके पास अच्छा अनुभव हैं जो टूर्नामेंट में उनके लिए लाभदायक रहेगा। वाल्टर ने कहा कि टी20 विश्वकप कप के लिए एक ट्रैवलिंग रिजर्व की घोषणा जल्द ही घोषणा की जाएगी।

न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड- मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी.

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है। डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है। साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है। उन्हें टी20 विश्वकप 2026 की भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने के बांग्लादेश के फैसले पर अजहरुद्दीन का बड़ा बयान आया सामने

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मैचों के लिए भारत न आने का फैसला आखिरकार उनके लिए नुकसानदायक होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश का भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत करना गलत है, यह देखते हुए कि न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने भी हाल ही में खेला था।

अजहरुद्दीन ने कहा, 'अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में शिकायत नहीं कर सकते। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूजीलैंड अभी भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका ने कुछ दिन पहले ही खेला था।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'आप वर्ल्ड कप के मैचों को इधर-उधर नहीं बदल सकते। चूंकि मैच पहले से ही तय हैं, इसलिए मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है।'

अजहरुद्दीन की यह टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के उस अनुरोध के बाद आई है जिसमें उसने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से अपने खिलाड़ियों की 'सुरक्षा और संरक्षा चिंताओं' का हवाला देते हुए अपने मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। BCB का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा IPL फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के बीच 2026 सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश देने के बाद आया था।

ICC ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए BCB के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि आगामी ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनके मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए, जो आगे की राह पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। BCB के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने गुरुवार को पुष्टि की कि ICC द्वारा उनके अनुरोध को खारिज करने के बाद भी BCB भारत में अपने ICC पुरुष वर्ल्ड कप मैच न खेलने के अपने फैसले पर कायम है। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक बांग्लादेश 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान शुरू करेगा।

लिटन दास की कप्तानी वाली टीम इसके बाद 9 फरवरी को उसी जगह पर इटली का सामना करेगी, जिसके बाद वह फिर से कोलकाता में इंग्लैंड से खेलेगी। इंग्लैंड का सामना करने के बाद बांग्लादेश वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलने के लिए मुंबई जाएगा।

टी20 विश्वकप के लिए टीम नहीं भेजे जाने के फैसले से निराश हैं बांग्लादेशी खिलाड़ी

मुम्बई । बांग्लादेश सरकार ने सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया है। इससे बांग्लादेश की टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। ऐसे में अब स्कॉटलैंड को विश्वकप में जगह मिल सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के इस फैसले से बांग्लादेश के क्रिकेटर खुश नहीं हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप नहीं खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे बात नहीं की थी। खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके से है। इसमें खिलाड़ियों से बात करने की जगह आदेश दिये गये। इससे खिलाड़ियों को लगा कि वे फैसले का हिस्सा नहीं बने। बोर्ड न हालांकि खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी पर उसमें कुछ नहीं हुआ।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : अल्काराज और सबालेंका चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न । विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज यहां करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी माउटेट से मिली चुनौती से निपटते हुए 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की। अल्काराज ने कोर्ट पर टीवी इंटरव्यू में कहा, 'जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए।' अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने के कारण अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम कर लिए थे। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से हराया। सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टौसन को 7-6 (5), 5-7, 6-3 से हराया।

बाबर बीबीएल से हटे , डेनियल ह्यूजेस शामिल

सिडनी । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट गये है। बाबर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स से खेल रहे थे। ऐसे में सिडनी सिक्सर्स ने बाबर की जगह पर डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया है। टीम ने कहा कि बाबर फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने की तैयारी के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल ह्यूजेस सीधे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। सिक्सर्स ने कहा, आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले बाबर को पाकिस्तान बोर्ड ने नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया था, इसी कारण उन्हें जाना पड़ रहा है। उनकी कमी बीबीएल 15 फाइनल सीरीज़ के शेष मैचों में रहेगी।।वहीं बाबर ने लीग में रहने के दौरान अपने समर्थन के लिए सभी प्रशंसकों का आभार जताया है। बाबर ने सोशल मीडिया में कहा, सबसे पहले मुझे अवसर देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया। हालांकि अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं। बहुत सी सकारात्मक बातें जिनका मैंने इसका बहुत आनंद लिया। सिडनी सिक्सर्स के प्रशंसकों को में धन्यवाद देता हूं। मैंने सिडनी क्रिकेट मैदान में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बाबर का प्रदर्शन लीग में कुछ खास नहीं रहा। वह 11 मैचों में केवल 202 रन ही बना पाये। उनका स्ट्राइक रेट केवल 103.06 का रहा।

जसप्रीत बुमराह के अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे, स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धियों पर डालें नजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, 'उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता।' उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं।

बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं। भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

सोना-चांदी ने रचा इतिहास, सोना 1.59 लाख एवं चांदी 3,33,300 के पार

– घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना-चांदी सार्वज निक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के भावों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिला। घरेलू और वैश्विक दोनों ही बाजारों में कीमती धातुओं ने नए रिकॉर्ड बना दिए। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय संकेतों के चलते सोना-चांदी के दाम ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गए। घरेलू वायदा बाजार की बात करें तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट ने तेज शुरुआत की। यह 2,548 रुपये की बढ़त के साथ 1,58,889 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,56,341 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का वायदा भाव 1,59,226 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। इस समय यह करीब 2,159 रुपये की तेजी के साथ 1,58,500 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भावों में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 6,044 रुपये की बढ़त के साथ 3,33,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 3,27,289 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी ने 3,39,927 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बनाया। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 9,611 रुपये की तेजी के साथ 3,36,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना-चांदी ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,836.20 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,970 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी के वायदा भाव 96.32 डॉलर प्रति औंस पर खुले और दिन के दौरान 99.20 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर को छू लिया। मजबूत वैश्विक मांग और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति से कीमती धातुओं में यह ऐतिहासिक तेजी देखने को मिल रही है।

फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की

नई दिल्ली ।

दिसंबर 2025 के बिक्री के मामले में 4.5 से 4.7 मीटर सेगमेंट में एक बार फिर महिंद्रा स्कॉर्पियो ने टॉप पोजीशन हासिल की है। दिसंबर माह में महिंद्रा स्कॉर्पियो को कुल 15,850 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 30.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 12,195 यूनिट का था, जिससे साफ है कि स्कॉर्पियो की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस सेगमेंट में दूसरे स्थान पर टाटा हैरियर रही।

टाटा हैरियर ने दिसंबर 2025 में 2,378 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 81.94 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। तीसरे नंबर पर महिंद्रा एक्सईवी 9ई रही, जिसे बीते महीने 2,154 ग्राहकों ने खरीदा। वहीं चौथे स्थान पर टाटा सफारी ने अपनी जगह बनाई। टाटा सफारी की बिक्री 1,446 यूनिट रही, जिसमें सालाना आधार पर 4.40 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। पांचवें नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी700 रही, जिसकी बिक्री में इस दौरान भारी गिरावट देखने को मिली।

दिसंबर 2025 में एक्सयूवी700 की 1,424 यूनिट बिकीं, जो सालाना आधार पर 80.59 प्रतिशत कम है। छठे स्थान पर एमजी हेक्टर रही, जिसकी बिक्री 1,147 यूनिट रही और इसमें 16.46 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सातवें नंबर पर हुंडई अल्काजार रही, जिसकी बिक्री 56.86 प्रतिशत घटकर 579 यूनिट पर सिमट गई। आठवें स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस रही, जिसे 491 नए ग्राहक मिले। नौवें नंबर पर जीप कंपास रही, जिसकी बिक्री 20 प्रतिशत गिरकर 140 यूनिट रही।

टाटा पंच में डीज़ल इंजन लगाने से कीमत पर पडेगा असर

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स की एसयूवी टाटा पंच में तमाम बदलावों के बीच एक सवाल लंबे समय से ग्राहकों और ऑटो एक्सपर्ट्स के मन में बना हुआ है कि क्या टाटा पंच को कभी डीज़ल इंजन के साथ लॉन्च किया जाएगा। डीज़ल पंच की मांग इसलिए भी उठती रही है क्योंकि टाटा मोटर्स पहले ही यह साबित कर चुकी है कि कॉम्पैक्ट कारों में डीज़ल इंजन बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज़ आज भी डीज़ल विकल्प के साथ उपलब्ध है और अपने सेगमेंट में भरोसेमंद मानी जाती है। पंच और अल्ट्रोज़ के प्लेटफॉर्म और साइज में समानता होने के कारण यह उम्मीद समय-समय पर सामने आती रही है। हाल ही में इस मुद्दे पर टाटा मोटर्स के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर मोहन सावरकर ने कंपनी का रुख साफ किया। उन्होंने बताया कि बीएस6 उत्सर्जन मानकों, खासकर बीएस 6 फेज-2 के बाद छोटे सेगमेंट की कारों में डीज़ल इंजन को तकनीकी रूप से काफी महंगा बनाना पड़ता है। इसका सीधा असर गाड़ी की कीमत पर पड़ता है, जो माइक्रो-एसयूवी खरीदने वाले ग्राहकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाता। तकनीकी तौर पर डीज़ल पंच संभव है, लेकिन कीमत बढ़ने के कारण फिलहाल इस पर काम नहीं किया जा रहा।

डीज़ल की जगह टाटा का फोकस पेट्रोल और सीएनजी विकल्पों पर है। 2026 पंच में नया 1.2-लीटर आई टर्बो रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो ज्यादा पावर और बेहतर परफॉर्मेंस देता है। साथ ही सीएनजी वेरिएंट में एएमटी गियरबॉक्स की सुविधा भी दी गई है। मौजूदा नियमों और लागत को देखते हुए फिलहाल डीज़ल टाटा पंच की उम्मीदें कम नजर आ रही हैं। बता दें कि नए डिजाइन, अपडेटेड केबिन, आधुनिक फीचर्स और पहली बार टर्बो-पेट्रोल इंजन की एंट्री के साथ पंच अब पहले से ज्यादा प्रीमियम हो गई है।

डॉ. रेड्डी लैब्स ला रही जेनेरिक ओज़ेम्पिक, इलाज होगा और किफायती

कंपनी ने पहले साल में लगभग 1.2 करोड़ पेन तैयार करने की योजना बनाई

नई दिल्ली ।

डॉ. रेड्डी लैब्स भारत में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाली सेमाग्लूटाइड आधारित दवा ओज़ेम्पिक का जेनेरिक संस्करण बाजार में उतारने जा रही है। कंपनी का उद्देश्य मरीजों तक सुलभ और प्रतिस्पर्धी कीमत पर दवा पहुंचाना है। कंपनी ने पहले साल में लगभग 1.2 करोड़ पेन तैयार करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अंतिम कीमत बाजार में मौजूद अन्य कंपनियों की रणनीति पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जेनेरिक सेमाग्लूटाइड की कीमतें काफी कम हो सकती हैं, जिससे डायबिटीज और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज पहले से कहीं अधिक किफायती और सुलभ होगा। डॉ. रेड्डी लैब्स दवा का सक्रिय फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (एपीआई) खुद बनाएगी। इसके अलावा, भारत में मार्केटिंग के लिए कंपनी अन्य साझेदारों के साथ सहयोग करेगी। भारत में ओज़ेम्पिक का पेटेंट 21 मार्च को समाप्त हो गया, जिससे यह बाजार कंपनी की वैश्विक रणनीति में अहम बन गया है। इसके अलावा तुर्की, ब्राज़ील और कनाडा को भी प्रमुख बाजारों के रूप में देखा जा रहा है। भारत

में जेनेरिक ओज़ेम्पिक के निर्माण और विपणन की मंजूरी मिल चुकी है, जबकि वजन घटाने वाली दवा वेगोवी के अनब्रांडेड संस्करण के लिए अभी मार्केटिंग अप्रूवल का इंतजार है। कनाडा में हेल्थ कनाडा से मंजूरी मिलने की संभावना मई तक है। डॉ. रेड्डी लैब्स की इस पहल से जेनेरिक सेमाग्लूटाइड मरीजों के लिए सस्ती और अधिक सुलभ दवा बन जाएगी, जिससे डायबिटीज और मोटापे से जूझ रहे लोगों को बड़ा राहत मिल सकता है।

तेलंगाना ने दावोस में डब्ल्यूईएफ 2026 में निवेश और विकास की नई राह दिखाई

- तेलंगाना सरकार ने प्रमुख निवेशों के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 की वार्षिक बैठक में शामिल हुआ। तीन दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री और उनकी टीम ने वैश्विक उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा की और राज्य में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार ने बताया कि समझौते मुख्य रूप से ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, तथा विनिर्माण क्षेत्र में किए गए। इसके अलावा, कृत्रिम मेधा (एआई), सतत विकास और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भी कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में डब्ल्यूईएफ के एक अनुवर्ती कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इस पहल का उद्देश्य राज्य में निवेश और उद्योग सहयोग को और बढ़ावा देना है। दावोस में तीन दिनों के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्लू-चिप कंपनियों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ 12 आमने-सामने बैठकें कीं। इसके अलावा रेवंत रेड्डी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में आयोजित लीडरे शिप, 21वीं सदी कार्यक्रम में भाग लेंगे और 25 से 30 जनवरी तक कक्षाओं में शामिल होंगे।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 28 पैसे की गिरावट के साथ ही 91.86 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला और फिर बढ़कर 91.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव 91.58 प्रति डॉलर से 17 पैसे अधिक है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.58 पर बंद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप पर शुल्क लगाने की योजना से पीछे हटने के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे व्यापार युद्ध की आशंकाएं कम हुईं और निवेशक जोखिम लेने के लिए तैयार हुए। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 98.36 पर रहा। डॉलर में मजबूती के कारण उभरती बाजारों की मुद्राओं में मामूली सुधार देखने को मिला।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग 16 प्रतिशत घटकर 16,176 करोड़ हुई

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बिक्री बुकिंग 12,039 करोड़ थी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर 2025-26) में 16,176 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष के 19,187 करोड़ रुपए की तुलना में 16 फीसदी कम है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बिक्री बुकिंग केवल 419 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 12,039 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि इसकी मुख्य वजह 'द डहलियाज' अल्ट्रा-लक्ज़री प्रोजेक्ट की बुकिंग अस्थायी रूप से रोकना था। डीएलएफ ने कहा कि 'द डहलियाज' में डिज़ाइन में बदलाव किया जा रहा है ताकि ग्राहक अनुभव बेहतर हो। कंपनी ने 2025-26 के लिए 20,000-22,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है और कहा कि मध्यम अवधि की योजना के अनुसार नई परियोजनाएं पेश करना जारी रहेगा। पिछले वर्ष कुल बिक्री 21,223 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ ने आश्वासन दिया है कि गिरावट के बावजूद वार्षिक लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

इंडिग्रिड ने संस्थागत निर्गम से 1,500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । इंडिग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट ने 19 जनवरी से शुरू किए गए संस्थागत नियोजन निर्गम (आईपीपी) के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। निर्गम को दो गुना से अधिक अभिदान मिला, जिसमें नए और मौजूदा निवेशकों ने हिस्सा लिया। इसमें 10 बीमा कंपनियों और 6 म्यूचुअल फंड्स ने भाग लिया। घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 78 फीसदी रही, जबकि विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 12 फीसदी रही। नवंबर 2025 में किए गए तरजीही निर्गम के 438 करोड़ रुपये जोड़कर, इंडिग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 1,938 करोड़ रुपये इक्विटी पूंजी के रूप में जुटाए।

जनरल अटलांटिक बालाजी वेफर्स में 7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

- निवेश की राशि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली । गुजरात स्थित पैकेज्ड स्नैक्स कंपनी बालाजी वेफर्स में वैश्विक निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ने लगभग 7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का निर्णय लिया है। निवेश की राशि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिससे कंपनी का मूल्यांकन लगभग 35,000 करोड़ रुपये आंका गया है। बालाजी वेफर्स और जनरल अटलांटिक ने इस निवेश के लिए डिफिनिटिव एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह निवेश विश्वस्तरीय सुविधाओं की स्थापना, नवाचार और पेशेवर टीम बनाने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य पूरे भारत में कंपनी की मौजूदगी बढ़ाना और उपभोक्ताओं को भरोसेमंद गुणवत्ता प्रदान करना है।

इंडिगो के खाली स्लॉट आवंटन के लिए सरकार ने आवेदन मांगे

- इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द की थी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच 2,507 उड़ानें रद्द कीं और 1,852 उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस परिचालन बाधा के कारण देशभर के हवाई अड्डों पर लगभग 3 लाख यात्री प्रभावित हुए। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी कटौती कर दी, जिससे एयरलाइन को कई स्लॉट पर परिचालन बंद करना पड़ा। इंडिगो द्वारा छोड़े गए स्लॉट पर अन्य एयरलाइंस से आवेदन और प्राथमिकताएं मांगी गई हैं। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, पुनर्वितरण समिति की हाल ही में बैठक हुई थी, जिसमें प्रक्रिया और सिद्धांतों पर चर्चा हुई। एयरलाइंस को अपने आवेदन संबंधित हवाई अड्डा परिचालकों को भेजने होंगे। अंतिम निर्णय भी संबंधित हवाई अड्डा परिचालक ही लेंगे। नियम के अनुसार कोई भी एयरलाइन अपनी मौजूदा उड़ानों को बंद किए बिना इन स्लॉट का उपयोग नहीं कर सकती। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक अधिकांश एयरलाइंस इन स्लॉट में रुचि नहीं दिखा रही हैं।

आईआरबी इंफ्रा ने एनएच-27, एनएच-731 पर टोल वसूली की शुरू

- एनएच-27 गलियारा भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है

नई दिल्ली । आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स (आईआरबी इंफ्रा) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-731 के लखनऊ-सुल्तानपुर खंड पर टोल वसूली शुरू कर दी है। कंपनी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 9,270 करोड़ रुपये की अग्रिम रियायत शुल्क राशि का भुगतान किया है। इसके बाद वित्तीय समापन के साथ ही टोल संग्रह आरंभ किया गया। टोल वसूली आईआरबी इंफ्रा की विशेष परियोजना इकाई आइआरबी हरिहर कॉरिडोर्स के माध्यम से 20 वर्ष की राजस्व-आधारित रियायत अवधि के लिए की जाएगी। आईआरबी समूह ने बताया कि एनएच-27 गलियारा भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है। यह यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, कुशल और सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना से क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे में सुधार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही लाखों यात्रियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 769 अंक, निफ्टी 241 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक नीचे आकर 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 241.25 अंक फिसलकर 25,048.65 अंक पर आ गया। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 5.7 लाख करोड़ रुपये से घटकर 452.69 लाख करोड़ रुपये रह गया। इससे निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भारतीय बाजार में अभी भी संशय का माहौल है। वहीं एशियाई बाजारों में आई तेजी और ग्रीनलैंड मामले को लेकर अमेरिकी सरकार के सुर में नरमी से भी बाजार को कुछ सहारा मिला था। आज सबसे ज्यादा गिरावट अडानी समूह के शेयरों में आई। ग्रुप के शेयर कारोबार के दौरान 13 फीसदी तक फिसल गये।

आज अडानी पोर्ट्स, इंडिगो और एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में तेजी रही। सभी सेक्टोरल इंडेक्सेज में गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 3.34 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.27 फीसदी गिरावट दर्ज की गयी। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव का असर दिखा। निफ्टी मिडकैप 100 में 1.8 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप

100 इंडेक्स में 1.95 फीसदी गिरावट आई। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। गत दिवस विदेशी निवेशको ने 2,550 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत हुई। सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 82,335 अंक पर खुला पर खुलने के कुछ ही देर बाद इसमें कमजोरी दिखने लगी। वहीं निफ्टी-50 25,344.60 अंक पर खुला। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद यह 11.05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,300 के स्तर पर बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान शेयरों में मामूली बढ़त देखी गई। जापान के केंद्रीय बैंक की नीति बैठक से पहले यह व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह ब्याज दरों को बनाये रखेगा। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयरों का सबसे व्यापक एमएससीआई इंडेक्स 0.4 फीसदी ऊपर आया जबकि निक्केई 225 इंडेक्स में 0.2 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की गई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में उतार-चढ़ाव रहा और ये 0.01 फीसदी ऊपर कारोबार करता दिखा।

भारत-यूएई व्यापार 2032 तक 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद हाल ही में भारत आए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। बैठक 2022 में हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के कार्यान्वयन के बाद हुई। 2032 तक व्यापार को दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया। वित्त वर्ष 2025 में भारत–यूएई व्यापार 100 अरब डॉलर पार कर गया। हालांकि, भारत का व्यापार यूएई के पक्ष में झुका हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में भारत का निर्यात 36.64 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 63.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। परिणामस्वरूप, भारत का व्यापार घाटा लगभग 27 अरब डॉलर रहा। भारत ने यूएई को रत्न और आभूषण, रेडीमेड कपड़े, ऑटो उपकरण, चमड़ा उत्पाद, कांच, सिरेमिक और सीमेंट निर्यात बढ़ाया। ऊर्जा क्षेत्र में एचपीसीएल और एडीएनओसी गैस के बीच एलएनजी खरीद समझौता हुआ। निर्यात बढ़ाकर और निवेश सहयोग मजबूत करके भारत–यूएई व्यापार संतुलन सुधारा जा सकता है और 2032 तक लक्षित 200 अरब डॉलर हासिल किया जा सकता है।

इंडिगो पर 22 करोड़ का जुर्माना, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हटाए गए

- एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान का मामला

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट को सूचित किया है कि दिसंबर 2025 की शुरुआत में देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान के मामले में एयरलाइन पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सरकार ने यह भी कहा कि एयरलाइन के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट (ओसीसी) को सभी परिचालन संबंधित जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है और उन्हें कोई नई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओओ) को विंटर शेड्यूल 2025 और संशोधित एफडीटीएल नियमों का प्रभावी आकलन न करने के कारण चेतावनी जारी की। इसके अलावा, फ्लाइट ऑपरेशंस के डिप्टी हेड, क्रू रिसोर्स प्लानिंग के एवीपी और फ्लाइट ऑपरेशंस के निदेशक को मानव संसाधन नियोजन, रोस्टर मैनेजमेंट और निगरानी में चूक के लिए चेतावनी दी गई। इंडिगो को निर्देश दिया गया है कि वह अपनी आंतरिक जांच में दोषी पाए गए किसी भी अन्य कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करे और डीजीसीए को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करे। साथ ही दीर्घकालिक नियम पालन सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का आदेश दिया गया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा

ने न्यायालय को बताया कि एयरलाइन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी चेतावनी दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट में यह मामला जनहित याचिका के रूप में चल रहा है। सरकार ने अपनी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को सौंप दी। संक्षिप्त सुनवाई के बाद अदालत ने दो सप्ताह में केंद्र सरकार को हलफनामे के जरिए अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई मानुषी छिल्लर ने

नए साल की शुरुआत में बॉलीवुड सेलेब्स साल 2016 की अपनी खट्टी-मीठी यादों को फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में मिस वर्ल्ड रह चुकीं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने भी अपने अतीत के पन्ने खोले हैं और अपने संघर्ष भरे लेकिन प्रेरणादायक सफर की झलक दिखाई है। मानुषी छिल्लर ने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी मॉडलिंग फोटोज और एमबीबीएस की छात्रा के दौर की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और दिलचस्प कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2016 उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार समय था। मानुषी ने लिखा कि उस एक साल में वह बिल्कुल मशहूर टीवी सीरीज 'हैना मोंटाना' की तरह दोहरी जिंदगी जी रही थीं। एक तरफ वह कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं, तो दूसरी तरफ मिस इंडिया चुने जाने के बाद अपने शुरुआती फोटोशूट और मॉडलिंग असाइनमेंट्स को संभाल रही थीं। मानुषी ने बताया कि शनिवार को क्लास खत्म होने के बाद उन्होंने एंट्री फॉर्म के लिए अपनी पहली कुछ तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। इसके बाद उन्हें पहला कैंपेन मिला और फिर एक के बाद एक कई ऑफर्स आते चले गए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें धीरे-धीरे एहसास हुआ कि बायोकेमिस्ट्री शायद उनके जीन में नहीं है, लेकिन बाकी सब कुछ जरूर है। उन्होंने अपनी पहली क्लिनिकल पोस्टिंग का जिक्र करते हुए लिखा कि जनरल सर्जरी के दौरान कोई बेहोश हो गया था, लेकिन वह खुद नहीं थीं, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। मानुषी ने यह भी साझा किया कि मिस इंडिया के लिए उन्होंने 'सिर्फ एक बार' इंस्टाग्राम जॉइन किया था, लेकिन आज एक दशक बाद वह सोशल मीडिया की दुनिया में मजबूती से मौजूद हैं। उनके कैप्शन से साफ झलकता है कि पढ़ाई और मॉडलिंग के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को पूरे जुनून और मेहनत के साथ स्वीकार किया। एमबीबीएस जैसी कठिन पढ़ाई के साथ-साथ मिस वर्ल्ड जैसे बड़े सपने की तैयारी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता और उसी साल मिस वर्ल्ड का ताज भी अपने नाम किया। वह मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली छठी भारतीय महिला

हिना खान का देसी अंदाज में ग्लैमर

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री हिना खान एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। हिना खान हर बार अपने स्टाइल से फैंस को हैरान कर देती हैं और इस बार उन्होंने देसी लुक में मॉडर्न ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में सामने आई उनकी नई तस्वीरों में वह मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई ब्राउन साड़ी में नजर आ रही हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। हिना खान की इस ब्राउन साड़ी पर बारीकी से किया गया शिमरी सीक्विन वर्क उनके लुक को बेहद एलिगेंट और रॉयल बना रहा है। साड़ी का सॉफ्ट और वार्म ब्राउन शेड उनकी स्किन टोन पर बेहद खूबसूरत लग रहा है, जिससे उनका पूरा अंदाज और भी निखर कर सामने आया है। इस देसी आउटफिट के साथ हिना ने न्यूड मेकअप, ग्लोसी लिप्स और हल्के मैसी हेयरस्टाइल को चुना है, जो उनके लुक को परफेक्ट बैलेंस देता नजर आता है।

साल 2026 का स्वागत बेहद भावुक अंदाज में भूमि पेडनेकर ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने करियर की शुरुआत से जुड़े कई यादगार पलों को ताजा किया। इसके साथ ही उन्होंने नए साल 2026 का स्वागत भी बेहद भावुक और निजी अंदाज में किया। सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड '2026 इज द न्यू 2016' को फॉलो करते हुए भूमि ने अपने जीवन के करीब दस साल पुराने लम्हों की झलक फैंस के साथ साझा की। इन तस्वीरों और यादों के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि आज जिस मुकाम पर वह खड़ी हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे कितनी मेहनत, धैर्य और सीख छिपी हुई है। भूमि ने उन दिनों को याद किया जब सपने नए थे, आत्मविश्वास आकार ले रहा था और सफर की असली शुरुआत हो रही थी। भूमि पेडनेकर ने सबसे पहले अपनी फिल्म 'टॉयलेट- एक प्रेम कथा' से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने इस फिल्म के सेट पर अपने पहले दिन की तस्वीरें पोस्ट कीं। साल 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार नजर आए थे। भूमि ने बताया कि उस वक्त वह एक नई अभिनेत्री थीं, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे और खुद पर भरोसा अटूट था। इसके अलावा भूमि ने अपने पहले प्रोफेशनल फोटोशूट, पहली बार फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह में शामिल होने और अपने पहले मैगजीन कवर की झलक भी दिखाई। उन्होंने उस दौर को भी याद किया जब उन्होंने फिटनेस को लेकर गंभीरता दिखाई और पाइलेट्स के जरिए अपने शरीर में बड़ा बदलाव लाया। भूमि ने बताया कि यह बदलाव सिर्फ शारीरिक नहीं था, बल्कि मानसिक रूप से भी उनके लिए बेहद जरूरी और सशक्त करने वाला साबित हुआ। अपने पोस्ट में भूमि पेडनेकर ने उन लोगों का भी जिक्र किया, जिन्होंने उनके शुरुआती दिनों में उनका साथ दिया। उन्होंने अपने परिवार, करीबी दोस्तों और मेंटर्स के प्रति आभार जताया और उन्हें अपनी 'गॉड मदर्स' कहा। इसके साथ ही भूमि ने वह खास पल भी याद किया, जब वह स्पेन गई थीं और वहां उन्हें अपना पहला आईफा अवॉर्ड मिला था, जिसे उन्होंने अपने जीवन का एक सपने जैसा पल बताया। करियर की यादों के साथ भूमि ने नए साल 2026 के जश्न की झलक भी साझा की। उन्होंने यह साल अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्यार, उम्मीद और स्वादिष्ट खाने के बीच शुरू किया। कैप्शन में भूमि ने लिखा कि उन्होंने नया साल उन लोगों के साथ मनाया, जिन्हें वह दिल से प्यार करती हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने दमदार अभिनय और लगातार मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। छोटे शहरों की कहानियों से लेकर सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों तक, भूमि ने हर किरदार को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाया है।

'मर्दानी 3' के ट्रेलर को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाएं

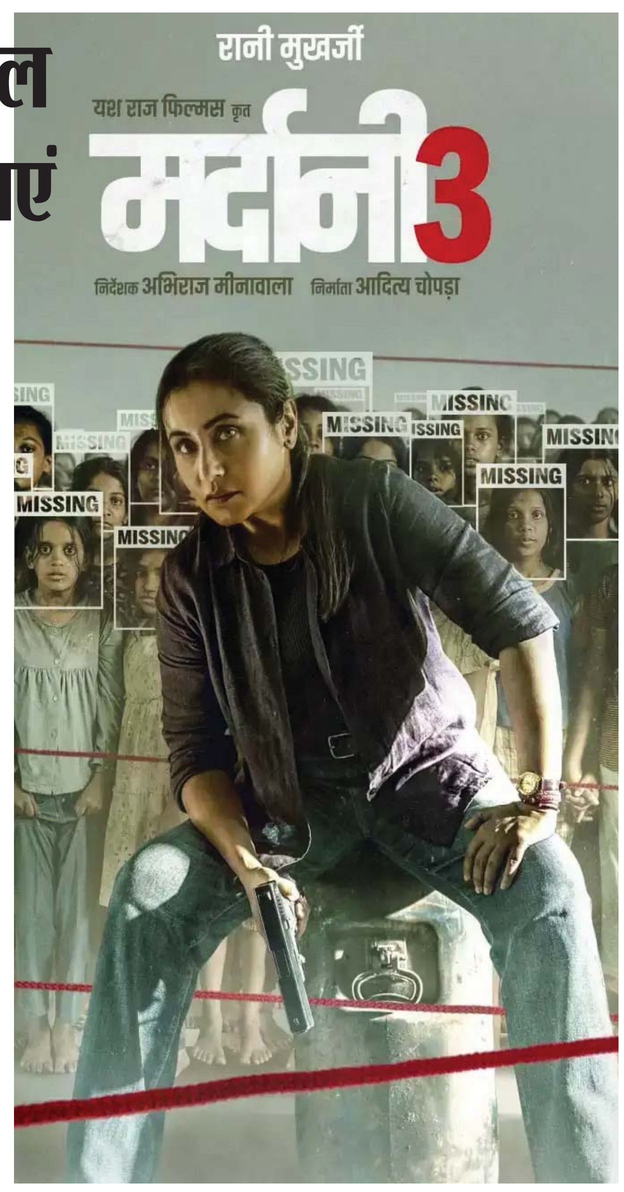

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' के ट्रेलर को हर तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। एक बार फिर रानी अपने लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आ रही हैं, जो एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी हैं। इस बार कहानी 93 लापता लड़कियों को बचाने की जंग पर केंद्रित है, जिसमें शिवानी समय के खिलाफ दौड़ लगाते हुए अपनी जान तक जोखिम में डाल देती हैं। यश राज फिल्म्स की इस फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे अपार प्यार पर प्रतिक्रिया देते हुए रानी मुखर्जी ने इसे अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे वह कैमरा कट होते ही भूल जाएं। रानी के मुताबिक, इस किरदार के जरिए उन्होंने सेवा, साहस और जिम्मेदारी का असली अर्थ समझा है। उन्होंने यह भी कहा कि साहस अक्सर अकेला होता है और यही बात इस किरदार को और भी खास बनाती है।

रानी ने भारतीय पुलिस बल के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए कहा कि देश की पुलिस फोर्स बिना किसी शिकायत और बिना किसी तमगे की उम्मीद के, चुपचाप देश की सेवा करती है। रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित करते हुए खास तौर पर महिला अधिकारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को अक्सर ज्यादा सवालों और संदेह का सामना करना पड़ता है, इसके बावजूद वे मजबूती और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों को निभाती हैं। रानी ने कहा कि 'मर्दानी 3' का अस्तित्व इन्हीं जांबाज महिला अधिकारियों की वजह से है, जो ताकत और करुणा के साथ नेतृत्व करती हैं।

रानी का मानना है कि ट्रेलर को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि समाज आज भी अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जब कुछ गलत होता है तो लोगों को गुस्सा आता है और जब कोई असहायों की रक्षा के लिए खड़ा होता है तो गर्व महसूस होता है। यही भावना 'मर्दानी 3' की आत्मा है। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मर्दानी 3' सामाजिक मुद्दों पर आधारित अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है। जहां पहली फिल्म ने मानव तस्करी और दूसरी ने एक सीरियल रेपिस्ट की मानसिकता को उजागर किया था, वहीं तीसरी किस्त समाज की एक और कड़वी सच्चाई से पर्दा उठाती है।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी और कई राज्यों में इसे टैक्स फ्री भी किया गया था। फिल्म में विक्रांत ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन को पर्दे पर जीवंत किया था। अब पर्दे के बाहर भी विक्रांत मैसी शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं और इसे ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बातचीत बेहद सार्थक रही और भारतीय भाषाओं के प्रति मंत्री का लगाव उन्हें खास तौर पर प्रभावित कर गया। विक्रांत के अनुसार, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और कक्षाओं को ज्यादा संवादात्मक बनाने पर हुई चर्चा बेहद प्रेरणादायक रही। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि भारतीय भाषाओं के माध्यम से बचपन से ही रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने को लेकर अच्छी चर्चा हुई। इन पोस्ट्स से यह साफ होता है कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि स्कूली शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में विचारों का आदान-प्रदान था। टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफल सफर तय कर चुके विक्रांत मैसी हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा रहे हैं, जो समाज को सोचने पर मजबूर करती हैं। 'छपाक', 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द साबरमती रिपोर्ट' और '12वीं फेल' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय खूब सराहा गया है।

संजय कपूर की विरासत पर बढ़ा विवाद

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और जाने-माने उद्योगपति संजय कपूर के निधन के बाद उनकी संपत्ति और विरासत को लेकर कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में अब संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने एक नई याचिका दाखिल कर मामला और जटिल कर दिया है। प्रिया सचदेव ने अदालत से करिश्मा कपूर और संजय कपूर के बीच हुए तलाक से जुड़े सभी कानूनी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगी हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह याचिका संजय कपूर की संपत्ति, वसीयत और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दायर की गई है। प्रिया का कहना है कि इन दस्तावेजों के बिना विरासत से जुड़े तथ्यों की सही जांच संभव नहीं है। इस मामले की सुनवाई 16 जनवरी 2026 को निर्धारित की गई है। संजय कपूर और करिश्मा कपूर का तलाक काफी समय पहले हो चुका था, लेकिन उनके रिश्ते और समझौते हमेशा चर्चा में रहे। अब संजय के निधन के बाद यह मामला फिर से सुर्खियों में आ गया है। कानूनी जानकारों का मानना है कि इस याचिका से संपत्ति विवाद में नया मोड़ आ सकता है। इस पूरे विवाद पर करिश्मा कपूर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, प्रिया सचदेव की इस पहल से यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में यह मामला और लंबा खिंच सकता है।

अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही 'बॉर्डर'

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म बार्डर की सिक्वल 'बॉर्डर 2' की रिलीज नजदीक आ चुकी है, तो साल 1997 में आई इस क्लासिक फिल्म को दोबारा देखना दर्शकों के लिए देशभक्ति के उस जज्बे को फिर से महसूस करने का बेहतरीन मौका बन गया है। खास बात यह है कि 'बॉर्डर' इस समय अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है, जिससे नई पीढ़ी भी इस ऐतिहासिक कहानी से जुड़ सकती है। निर्देशक जे. पी. दत्ता द्वारा बनाई गई 'बॉर्डर' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित थी। फिल्म में खास तौर पर राजस्थान के लोंगेवाला पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक युद्ध को केंद्र में रखा गया था। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय सैनिकों की रणनीति, साहस और देश के लिए दी गई कुर्बानी को फिल्म ने बेहद भावनात्मक और प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। यही वजह रही कि यह फिल्म दर्शकों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन गई। फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का दमदार किरदार निभाया था, जो अपने जवानों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे। उनके जोशीले संवाद और गुस्से से भरा अभिनय आज भी लोगों की यादों में ताजा है।

सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना ने भी सैनिकों की भूमिकाओं में शानदार अभिनय किया। खासतौर पर अक्षय खन्ना का संवेदनशील और युवा सैनिक का किरदार दर्शकों के दिल को छू गया था। 'बॉर्डर' का संगीत भी इसकी बड़ी ताकत रहा। 'संदेशे आते हैं' और 'मेरे दुश्मन मेरे भाई' जैसे गीत आज भी देशभक्ति गीतों में खास स्थान रखते हैं। इन गानों ने सैनिकों और उनके परिवारों के दर्द, इंतजार और भावनाओं को बखूबी बयां किया, जिसके चलते फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों की भी जमकर सराहना मिली। करीब 28 साल बाद अब 'बॉर्डर 2' उसी देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है।

सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। यह फिल्म भी 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इस बार कहानी का दायरा और व्यापक होगा, जिसमें थलसेना के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कार्रवाई को दिखाया जाएगा। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि जब भी हिंदी सिनेमा में देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों की चर्चा होती है, तो 90 के दशक की कुछ यादगार फिल्मों का जिक्र अपने आप होने लगता है। इन्हीं में एक सबसे अहम नाम सनी देओल की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का है, जिसने न केवल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, बल्कि दर्शकों के दिलों में देशप्रेम और बलिदान की गहरी छाप भी छोड़ी थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in